RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

चेतना मंच

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

पेज 7 अपनी मराठी मिल्म पाणी...

वर्ष : 26 | अंक : 297 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 18 अक्टूबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

दिल्ली में छाई जहरीली धुंध, ग्रेटर नोएडा की हवा 'खराब'

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में प्रदूषण का स्तर खराब श्रेणी में पहुंच गया है। दिल्ली में आज सुबह जहरीली धुंध छाई रही। वहीं यमुना नदी में झाग वाला पानी बहता दिखा। एनसीआर के शहर ग्रेटर नोएडा की हवा भी खराब श्रेणी में पहुंच गई है। दिल्ली में प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली सरकार एक्शन मोड में है। सभी 13 हॉटस्पॉट में प्रदूषण को नियंत्रण करने के लिए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार को दिल्ली सचिवालय में संबंधित विभागों के अधिकारियों की आपातकालीन बैठक बुलाई है।

उधर, आनंद विहार में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए पर्यावरण मंत्री ने प्रदूषण से प्रभावित 13 क्षेत्रों में जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। बैठक में एमसीडी, पीडब्ल्यूडी, डीपीसीसी, पर्यावरण विभाग, ट्रांसपोर्ट विभाग, ट्रैफिक पुलिस समेत अन्य सभी संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल होंगे।

यमुना में झाग वाला पानी, ग्रेटर नोएडा में AQI 301 पर पहुंचा

पर्यावरण मंत्री ने कहा कि प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए 21 फोकस प्वाइंट पर आधारित विंटर एक्शन प्लान की घोषणा की थी। विंटर एक्शन प्लान के तहत विभागों ने अपना काम शुरू कर दिया है। प्रदूषण की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए दिल्ली में वार रूम ने काम करना शुरू कर दिया है। पराली को गलाने के लिए बायो-डिकम्पोजर का छिड़काव भी शुरू हो गया है।

साथ ही दिल्ली में कंस्ट्रक्शन साइटों पर धूल को नियंत्रित करने के लिए एंटी डस्ट कैंपेन शुरू किया है। सभी 13 हॉटस्पॉट पर ग्रीन वार रूम से विशेष ध्यान रखा जा रहा है। संबंधित विभाग को वहां से भी निर्देश दिया जा रहा है। डीपीसीसी की टीम हॉटस्पॉट का लगातार दौरा कर रही है। यूपी की डीजल बसों से प्रदूषण बढ़ा है।

उधर, आज सुबह इंडिया गेट और आसपास के इलाकों में कोहरे की परत छाई दिखाई दी। यहां एक्यूआई गिरकर 270 पर पहुंच गया है। जिसे 'खराब' श्रेणी में रखा गया है। दिल्ली के आनंद विहार इलाके में सुबह 8 बजे AQI गिरकर 339 पर पहुंच गया, जिसे 'बहुत खराब' श्रेणी में रखा गया है। द्वारका सेक्टर-8 में सुबह 8 बजे AQI 325 दर्ज किया गया, जिससे यह इलाका 'बहुत खराब' श्रेणी में आ गया। राष्ट्रीय राजधानी का विवेक विहार इलाका 'बहुत खराब' श्रेणी में आ गया है, जहां सुबह 8 बजे AQI 324 रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, जब AQI 'खराब' श्रेणी में आता है, तो लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने पर अधिकांश लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो सकती है, जबकि 'बहुत खराब' श्रेणी में आने पर लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने पर **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

प्रदूषण पर राजनीति

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी (आप) और अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला करते हुए कहा कि आप का प्रदूषण कम करने का कोई इरादा नहीं है और इस मुद्दे पर केवल दोषारोपण का खेल खेलती है। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, 'पिछले 10 सालों से दिल्ली में आप सरकार का प्रदूषण कम करने का कोई इरादा नहीं है। प्रदूषण फिर से हानिकारक हो रहा है। नदी और हवा प्रदूषित हो गई है। लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। यह तो बस शुरुआत है। 4-5 महीने बाद चुनाव हैं, मैं लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे भाजपा को दिल्ली को फिर से दिल्ली बनाने का मौका दें। आप सरकार तब जागती है जब कोई समस्या होती है। दिल्ली की समस्याएं उसी दिन हल हो जाएंगी जिस दिन वे समस्या आने से पहले जागना शुरू कर देंगे'। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी जहरीली गैस चैंबर बनती जा रही है और इसके लिए आप को जिम्मेदार ठहराया।

यूपी उपचुनाव : गाजियाबाद-अलीगढ़ में लड़ेगी कांग्रेस!

नामांकन प्रक्रिया आज से शुरू, कड़ी सुरक्ष व्यवस्था

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में 9 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए आज से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई। वहीं उपचुनाव को लेकर बड़ी खबर यह है कि यूपी उपचुनाव में समाजवादी पार्टी व कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ सकती हैं। सपा ने कांग्रेस को गाजियाबाद सदर और अलीगढ की खैर सीट देने का मन बना लिया है।

यूपी में होने वाले उपचुनाव के लिए आज से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई। यहां 13 नवंबर को मतदान होना है। मुरादाबाद जिले की कुंदरकी विधानसभा सीट व मैनपुरी की करहल सीट पर उपचुनाव के लिए नामांकन शुक्रवार से शुरू हो गए हैं। सुबह 11 बजे से तीन बजे तक लोग नामांकन कर सकते हैं। इसके लिए सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। कलक्ट्रेट में बैरिकेडिंग करने के साथ ही त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा बनाने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। मैनपुरी से करहल सीट से सपा प्रत्याशी तेज प्रताप यादव ने नामांकन पत्र खरीद लिया है।

इस दौरान सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी के लिए व्यवस्था की गई है। 13 नवंबर को मतदान होगा। मुरादाबाद के एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि नामांकन स्थल पर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। जिस कक्ष में नामांकन होगा उसे अन्य परिसर से अलग किया गया है।

कलक्ट्रेट परिसर व आसपास के इलाके को अलग रखा गया है। प्रत्येक कार्डन में एक-एक सीओ के नेतृत्व में पुलिस टीमें तैनात की गई हैं। कमिश्नर कार्यालय चौराहा, राजमहल होटल और **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

मिल्कीपुर चुनाव रोकना चाहती है सपाः भूपेन्द्र चौधरी

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने समाजवादी पार्टी पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि समाजवादी पार्टी अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव को रोकना चाहती है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में होने वाले उपचुनाव में भाजपा हर सीट पर चुनाव जीतेगी। भाजपा का कार्यकर्ता घर-घर जाकर वोटरों से मिल रहा है तथा सरकार की योजनाओं के बारे में बता रहा है।

बसपा के बड़े नेता की संपत्ति का केयरटेकर बनकर ठगी

आरोपी को पुलिस ने पकड़ा, पांच लाख का लगाया था चूना

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में एक बड़े बसपा नेता की संपत्ति को धोखे से बेचने के नाम पर ठगी करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नोएडा के सेक्टर-52 स्थित एक संपत्ति को बसपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सतीश चंद्र मिश्रा की प्रॉपर्टी बताकर उसका प्रबंधक बनकर एक व्यक्ति से पांच लाख रुपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने यह कार्यवाही की है।

थाना सेक्टर-39 पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी का नाम हर मोहन सिंह है। इसके पास से पुलिस ने 86 हजार रुपए नगद, सोने की ज्वेलरी, मोटरसाइकिल

आदि बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि ठगी के पैसे से आरोपी ने अपनी मोटरसाइकिल कि किस्त जमा कराई थी, तथा कुछ जेवरात खरीदा था।

पुलिस ने बताया कि सेक्टर-44 में रहने वाले बीएम शर्मा ने पुलिस को बताया कि प्रॉपर्टी खरीदने के संबंध में उनकी एक व्यक्ति से मुलाकात हुई। उसने खुद को बसपा के राष्ट्रीय नेता की प्रॉपर्टी का प्रबंधक बनाया। उसने कहा कि सेक्टर-52 में नेता की कोठी बिक्री के लिए है। आरोपी ने उसके अलावा कई और प्रॉपर्टी दिखाने का भी वादा किया। तीन अक्तूबर को आरोपी ने फोन किया कि स्टाफ का आदमी कहीं फंसा हुआ है, उसका यूपीआई नहीं चल रहा है। इसलिए वह उन्हें पांच हजार रुपये भेज दें। पीड़ित ने विश्वास करते हुए पांच हजार रुपये भेज दिए। इसके बाद चार अक्तूबर को फोन आया कि पत्नी की हालत गंभीर है और वह जयपुर के अस्पताल में भर्ती है। उसे पांच लाख रुपये जमा कराने हैं। ढाई लाख

बीमारी से परेशान व्यक्ति ने की आत्महत्या

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के बोटैनिकल गार्डन के पास ग्रीन बेल्ट में एक व्यक्ति का शव पेड़ की डाल से लटका हुआ मिला है। पुलिस को शक है कि उसने आत्महत्या की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना सेक्टर-39 पुलिस ने बताया कि आज सुबह को थाना पुलिस को सूचना मिली कि बोटैनिकल गार्डन के पास ग्रीन बेल्ट में लगे एक पेड़ की डाल से एक अज्ञात व्यक्ति ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब जांच की तो पता चला कि मृतक का नाम हरीश (40 वर्ष) मूल निवासी जनपद अल्मोड़ा उत्तराखंड है। उसने एक सुसाइड नोट लिखा है, जिसमें उसने इस बात का जिक्र किया है कि वह बीमारी से परेशान है।

पुलिस को उसके पास एक आधार कार्ड मिला है, जिसके आधार पर उसकी पहचान हुई है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हत्या के प्रयास में वांछित गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना जारचा पुलिस ने हत्या के प्रयास में वांछित चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों ने एक व्यक्ति को जान से मारने के लिए गोली चलाई थी।

थाना जारचा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक थाना जारचा में 12 अक्टूबर को पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई थी कि बहादुर अली पुत्र स्वर्गीय फिरोज अली (52 वर्ष) तथा सलाउद्दीन उर्फ भूरा (47 वर्ष) ने दुश्मनी के चलते उस पर जानलेवा हमला किया था। दोनों आरोपियों ने उसे जान से मारने की नीयत से गोली चलाई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस ने सूचना के आधार पर बहादुर अली और सलाउद्दीन को छोलस से सैंथली जाने वाले बंबे के पास से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

युवती और युवक ने खाया जहर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के विभिन्न जगहों पर रहने वाले दो लोगों ने मानसिक तनाव के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। उन्हें अत्यंत गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने बताया कि बरौला गांव में रहने वाली कुमारी शिवानी (22 वर्ष) ने बीती रात को मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। अत्यंत गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, वहां से उसकी बिगड़ती हालत को देखते हुए दिल्ली के बड़े अस्पताल में रेफर किया गया है। पुलिस ने बताया कि नोएडा के सेक्टर-72 में रहने वाले शराफत (26 वर्ष) ने बीती रात को मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। पुलिस ने बताया कि गंभीर हालत में उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। वहां से उसकी बिगड़ती हालत को देखते हुए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में रेफर किया गया है।

बूढ़ी मां की देखभाल करने वाले ने की चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 में एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उन्होंने अपनी मां की देखभाल के लिए एक अटेंडेंट रखा था। पीड़ित के अनुसार आरोपी ने उसकी मां की आलमारी से लाखों रुपए कीमत के सोने चांदी के जेवरात और नगदी चोरी कर लिया। थाना सेक्टर-39 पुलिस ने बताया कि अनिरुद्ध गुप्ता पुत्र सतीश चंद्र गुप्ता ने बीती रात को थाने में

रिपोर्ट दर्ज कराई है कि सेक्टर 39 में वह रहते हैं। पीड़ित के अनुसार उन्होंने अपनी बीमार मां की देखभाल के लिए अरुण कुमार नामक युवक को रखा था। आरोपी ने उसकी मां की आलमारी से 70 हजार रुपए नगद,4 सोने की चेन, दो पेंडेंट, दो चूड़ी, कान के टॉप्स, एक कान के ऊपर पहनने वाली सोने की चेन आदि चोरी कर लिया है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ग्रेनो के अस्थाई कर्मचारियों ने खोला मोर्चा, एसीईओ को सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में पिछले 30 वर्षों से कार्यरत अस्थाई कर्मचारियों ने अपनी मागों एवं अपनी सुरक्षा की मांग को लेकर पिछले लंबे समय से प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन के माध्यम से अवगत करा रहे हैं। लेकिन वही अस्थाई कर्मचारी अपनी जान हथेली पर रखकर ग्रेटर नोएडा शहर को सजोने व संवारने से लेकर अन्य सभी समस्याओं के समाधान के लिए 24 घंटे कार्य करते हैं। लेकिन जब उनके अधिकारों की बात आती है तो प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी सिर्फ आश्वासन देकर टाल देते हैं। अस्थाई कर्मचारियों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर प्रदर्शन कर अपनी मांगों के लिए एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव को ज्ञापन

देकर विभिन्न मांगों से अवगत कराया।

अस्थाई कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष सुदेश कुमार यादव ने बताया कि हम लोग पिछले 30 वर्षों से इस शहर की सभी समस्याओं के समाधान हेतु रात दिन लगे रहते हैं। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

बहराइच के गुनहगारों की जज के घर में पेशी

पांच आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

बहराइच (एजेंसी)। बहराइच में आज जुम्मे की नमाज को लेकर कड़ी सुरक्षा है। वहीं बहराइच हिंसा के दौरान युवक की हत्या के आरोपियों को शुक्रवार को सीजेएम के सामने पेश किया गया। यहां से आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। आरोपियों की पेशी सीजेएम के आवास पर हुई। इस दौरान आवास के बाहर कड़ी सुरक्षा का प्रबंध किया गया था। इसके पहले, हत्यारोपी मोहम्मद सरफराज और मोहम्मद तालिब को पुलिस ने एनकाउंटर के बाद बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया था। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

सत्र 2025-26 के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू
स्कूल कोड 09100110910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर 22 नोएडा

फ़ोन .08750611103

जनमानस की सरकार

आखिरकार तमाम ऊहापोह, सुरक्षा चुनौतियों तथा विदेशी दखल की तमाम आशंकाओं को निर्मूल करते हुए जम्मू-कश्मीर के जनमानस ने स्पष्ट सरकार बनाने का जनादेश दिया है। जनता ने विकास और शांति की आकांक्षा के साथ दिल खोलकर मतदान किया और अपनी उम्मीदों की सरकार चुनी है। घाटी में दशकों तक अब्दुल्ला परिवार के शासन के अनुभव के मद्देनजर घाटी के लोगों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर भरोसा जताया। बुधवार को उमर अब्दुल्ला ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनकी सार्थक पहल यह रही कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर की राजनीति के दो ध्रुव बने कश्मीर घाटी व जम्मू क्षेत्र के जनमानस को साथ लेकर चलने का संकल्प दोहराया है। इस कड़ी में उमर अब्दुल्ला ने सुरिंदर चौधरी को राज्य का उप मुख्यमंत्री नियुक्त किया है। उमर ने कहा भी कि 'चौधरी को मैंने इसलिए उप मुख्यमंत्री बनाया, ताकि जम्मू के लोगों को महसूस हो सके कि उनकी भी राज्य की सत्ता में घाटी जितनी भागीदारी है। आगे भी ऐसे ही प्रयास होते रहेंगे।' निस्संदेह, यह सकारात्मक राजनीति का उज्ज्वल पक्ष है, सबको साथ लेकर आगे बढ़ने का। उल्लेखनीय है कि सुरिंदर चौधरी जम्मू से चुनकर आए हैं। नौशेरा से विधायक बने सुरिंदर चौधरी ने विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रांत अध्यक्ष रवींद्र रैना को हराया था। बहरहाल, भले ही अब अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद जम्मू-कश्मीर विधानसभा का स्वरूप पहले जैसा नहीं रह गया, लेकिन इसके बावजूद जम्मू-कश्मीर के लोगों ने स्पष्ट जनादेश देकर एक स्थिर सरकार की बुनियाद जरूर रखी है। केंद्र शासित प्रदेश में एक दशक बाद हुए विधानसभा चुनाव में मतदाताओं का खासा उत्साह नजर आया। कहीं न कहीं जनता ने स्पष्ट संदेश भी दिया कि वे आतंकवाद व अलगाववाद से छुटकारा चाहते हैं। जाहिरा तौर पर नई सरकार के सामने व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने की चुनौती होगी। यह दायित्व सरकार को इस बात को ध्यान में रखकर निभाना होगा कि केंद्रशासित प्रदेश में उपराज्यपाल के पास व्यापक अधिकार हैं। बहरहाल, ऐसे में नवनिर्वाचित सरकार और केंद्र का दायित्व है कि घाटी के लोगों ने जिस मजबूत लोकतंत्र की आकांक्षा जतायी है, उसे पूरा करने में भरपूर सहयोग करें। एक समय राज्य में मतदाता डर के मारे मतदान करने हेतु नहीं निकलते थे। मतदान का प्रतिशत बेहद कम रहता था। इस बार मतदाता निर्भीकता के साथ मतदान करने निकले। जनता ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संकल्प को सकारात्मक प्रतिसाद दिया है। यद्यपि लोकसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस को कामयाबी नहीं मिल पायी थी, लेकिन जनता ने उन्हें राज्य में सरकार चलाने का स्पष्ट जनादेश दिया है। वहीं दूसरी ओर, इस भारी मतदान व स्पष्ट बहुमत का एक निष्कर्ष यह भी है कि लोग घाटी में शांति और सुकून चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर सरकार और केंद्र सरकार को मिलकर प्रयास करना होगा कि इस क्षेत्र में शांति कायम होने के साथ विकास की नई बयार चले। जिसमें आम नागरिक खुद को सुरक्षित अनुभव करते हुए राष्ट्रीय विकास की धारा के साथ-साथ कदमताल कर सके। बहरहाल, जम्मू-कश्मीर में नई सरकार को व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करते हुए बदली हुई शासन व्यवस्था के साथ भी साम्य स्थापित करना है। इस बात का अहसास उमर अब्दुल्ला को भी है कि शासन चलाने में अब पहले जैसी स्वतंत्रता नहीं होगी क्योंकि राज्यपाल के पास व्यापक शक्तियां हैं। विश्वास किया जाना चाहिए कि कम से कम सीमावर्ती घाटी की संवेदनशीलता को देखते हुए इस केंद्रशासित प्रदेश में वैसा टकराव देखने को नहीं मिलेगा, जैसा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार और एलजी के बीच देखने को मिलता रहा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि नये मुख्यमंत्री को कानून व्यवस्था से लेकर अन्य प्रशासनिक मामलों में एलजी के आगे लाचार नहीं होना पड़ेगा। विश्वास करें कि नई सरकार को प्रशासनिक मामलों में नौकरशाही का पर्याप्त सहयोग मिलता रहेगा। नीति-नियंताओं को ध्यान रखना होगा कि सरकार चलाने में किसी भी तरह का अनावश्यक व्यवधान कालांतर अशांति का वाहक बनेगा। उम्मीद करें कि यथाशीघ्र पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर में प्रशासन की विसंगतियां दूर की जा सकेंगी।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि जहाँ संत, शिवजी और लक्ष्मीपति श्री विष्णु भगवान की निंदा सुनी जाए, वहाँ ऐसी मर्यादा है कि यदि अपना वश चले तो उस (निंदा करने वाले) की जीभ काट लें और नहीं तो कान मूँदकर वहाँ से भाग जाएँ॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जगदातमा महेसु पुरारी। जगत जनक सब के हितकारी॥
पिता मंदमति निंदत तेही। दच्छ सुक्र संभव यह देही॥

त्रिपुर दैत्य को मारने वाले भगवान महेश्वर सम्पूर्ण जगत की आत्मा हैं, वे जगत्पिता और सबका हित करने वाले हैं। मेरा मंदबुद्धि पिता उनकी निंदा करता है और मेरा यह शरीर दक्ष ही के वीर्य से उत्पन्न है॥

तजिहउँ तुरत देह तेहि हेतू। उर धरि चंद्रमौलि बृषकेतू॥
अस कहि जोग अगिनि तनु जारा। भयउ सकल मख हाहाकारा॥

इसलिए चन्द्रमा को ललाट पर धारण करने वाले वृषकेतु शिवजी को हृदय में धारण करके मैं इस शरीर को तुरंत ही त्याग दूँगी। ऐसा कहकर सतीजी ने योगाग्नि में अपना शरीर भस्म कर डाला। सारी यज्ञशाला में हाहाकार मच गया॥

दो०-सती मरनु सुनि संभु गन लगे करन मख खीस।
जग्य बिधंस बिलोकि भृगु रच्छा कीन्हि मुनीस॥

सती का मरण सुनकर शिवजी के गण यज्ञ विध्वंस करने लगे। यज्ञ विध्वंस होते देखकर मुनीश्वर भृगुजी ने उसकी रक्षा की॥

(क्रमशः...)

हिंदुओं के त्योहार पर ही क्यों फैलती हैं अराजकता

यह हिन्दुस्तान का दुर्भाग्य है कि यहां की बहुसंख्यक आबादी को अपने तीज-त्योहार मनाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हिन्दुओं के द्वारा कोई भी धाार्मिक आयोजन किया जाता है उस पर मुस्लिम कट्टरपंथियों का साया पड़ जाता है। हिन्दू जब भी कावड़ यात्रा निकाले, माता का जागरण कराये, मूर्ति विसर्जन को जाये या इसी तरह के अन्य कोई आयोजन करे तो मुस्लिम कट्टरपंथी कहीं उस पर पथराव करने लगते हैं तो कहीं रास्ता रोक कर खड़े हो जाते हैं। उनके इस कृत्य का विरोध होता है तो यह लोग तलवारें भांजने लगते हैं। आगजनी और पेट्रोल बम तो आम बात हो गई है,लेकिन पेट्रोल बम फोड़ने वाले तब जरूर आहत हो जाते हैं जब उन्हें कहीं पटाखों की आवाज सुनाई पड़ जाती है। हालात यह है कि हिन्दुओं के छोटे से छोटे धार्मिक आयोजन भी बिना पुलिस की सुरक्षा के घेरे के पूर्ण नहीं हो पाते हैं। हिन्दुओं के देवी-देवताओं को कभी कला के तो कभी अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर अपमानित किया जाता है। न जाने क्यों पांच टाइम लाउडस्पीकर पर चीखने चिल्लाने वालों को हिन्दुओं के धार्मिक आयोजनों में बजने वाला डीजे बेचैन क्यों कर देता है। इसी तरह से होली के रंग-गुलाल भी एक वर्ग विशेष के चंद कट्टरपंथियों के चलते साम्प्रदायिक हो जाता है। ऐसा नहीं है कि यह कट्टरपंथी तभी भड़कते हों जब हिन्दुओं के द्वारा अपना कोई धार्मिक जुलूस आदि सड़क पर निकाला जाता हो,हद तो तब हो जाती है जब हिन्दुओं के लिये अपने घरों में पूजा करना भी लड़ाई-झगड़े की वजह बन जाता है। गरबा या दुर्गा पूजा के पंडालो तक में यह मुस्लिम चरमपंथी पहुंच कर माहौल खराब करने से नहीं हिचकते हैं। इतना हीं कई बार तो इन अराजक तत्वों को वोट बैंक की राजनीतिक करने वाले नेताओं और पार्टियों का राजनैतिक संरक्षण भी मिल जाता है। यदि ऐसा न होता तो बहराइच में बेरहमी से मारे गये रामगोपाल मिश्र की हत्या पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव एक्स पर वह कथित वीडियो नहीं पोस्ट करते जिसमें रामगोपाल मिश्रा एक मुस्लिम परिवार के घर से हरा झंडा उतार कर भगवा झंडा लगाते हुए दिखाई दे रहा है। अखिलेश इस वीडियों के सहारे रामगोपाल मिश्रा को ही कटघरे में खड़ा कर रहे हैं, जबकि इसका कानूनी पहलू यह है कि यदि रामगोपाल मिश्रा ने हरा झंडा उतार कर वहां भगवा झंडा फहरा भी दिया था तो हत्यारों को उसका कत्ल करने की छूट नहीं मिल जाती है। रामगोपाल मिश्र को मारा ही नहीं गया,उसके साथ हत्यारों ने वहशीपन दिखाते हुए रामगोपाल के नाखून तक बेरहमी के साथ नोंच लिये थे।

ज्यादा पीछे न भी जाया जाये तो हाल फिलहाल में ही इस्लामी कट्टरपंथियों ने देश के अलग-अलग हिस्सों में दुर्गा पूजा और हिन्दुओं को निशाना बनाया है। मुस्लिम कट्टरपंथियों ने कहीं पंडाल पर पथराव किया गया तो कहीं मूर्ति विसर्जन के जुलूस पर हमला हुआ, जुलूस के रास्तों को लेकर भी विवाद हुआ। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल और असम तक पथराव और हिंसा हुई है। यह हिंसा हिन्दुओं के त्योहार नवरात्र के साथ ही चालू हो गई थी। हावड़ा के श्यामगंज में 13 अक्टूबर, 2024 को एक मुस्लिम भीड़ ने हिन्दू पंडालों पर हमला किया। मुस्लिम भीड़ ने दुर्गा पूजा पंडालों को नष्ट करना चालू कर दिया। उन्होंने मूर्तियों को आग लगा दी और कई पंडालों को तबाह किया। यह मुस्लिम भीड़ उस घाट पर भी पहुँची जहाँ देवी मूर्तियों का विसर्जन होना था। यहाँ इस भीड़ ने पथराव किया।

हालात यह है कि हिन्दुओं के छोटे से छोटे धार्मिक आयोजन भी बिना पुलिस की सुरक्षा के घेरे के पूर्ण नहीं हो पाते हैं। हिन्दुओं के देवी-देवताओं को कभी कला के तो कभी अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर अपमानित किया जाता है।

बात विशेषकर उत्तर प्रदेश की कि जाये तो यहां के कौशांबी जिले में माँ दुर्गा के विसर्जन जुलूस पर हमला हुआ। इस हमले में जुलूस में शामिल महिला श्रद्धालुओं को भी निशाना बनाया गया। हमले के दौरान तलवारें लहराई गईं और पत्थरबाजी हुई। घटना में कई श्रद्धालुओं को चोटें आई। 12 अक्टूबर, 2024 को हुए इस हमले का आरोप मुस्लिम समुदाय के लगभग एक दर्जन लोगों पर लगा है जिसमें ख़ातूनें भी शामिल हैं। माँ दुर्गा की प्रतिमा को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया और एक महिला से दुष्कर्म की भी कोशिश हुई। पुलिस ने केस दर्ज करके जाँच शुरू कर दी है। इसी तरह से बलरामपुर में दुर्गा पूजा के दौरान इस्लामिक कट्टरपंथियों ने पंडाल में घुसकर महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया। आरोपितों में कलीम, अरबाज़, इमरान और मुख़्तार शामिल थे, जिन्होंने महिला श्रद्धालुओं से अभद्रता की और पंडाल में लगे भगवा ध्वज को नोचकर नाली में फेंक दिया। महिलाओं ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया।

जिला गोंडा के मसकनवा बाजार इलाके में 9 अक्टूबर, 2024 को दुर्गा पूजा पंडाल में मूर्ति स्थापित करने के बाद देवी की आँखों पर से पट्टी हटाई गई थी। इस मूर्ति की स्थापना बीते कई सालों से की जाती है। इस मौके पर यहाँ बड़ी संख्या में हिन्दू इकट्ठा थे।पूजा अर्चना के बाद कुछ हिन्दू बच्चे इस पंडाल के बाहर पटाखे फोड़ने लगे। पटाखों की आवाज सुन कर पास में रहने वाले मुस्लिम भड़क गए। मुस्लिम परिवार के लोग बाहर निकल कर हिन्दुओं को गालियाँ देने लगे और हमलावर हो गए। उन्होंने पहले हिन्दुओं पर पथराव किया और फिर लाठी डंडों से हमला कर दिया। उधर, कुशीनगर में एक और गंभीर घटना सामने आई, जब दुर्गा पूजा के दौरान मुस्लिम कट्टरपंथियों ने मूर्ति पर पथराव किया। इस घटना में 10 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने स्थिति को काबू में करने के लिए आरोपितों को गिरफ्तार किया और इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी। हिंदू समुदाय ने प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की माँग की। अब बहराइच की हिंसा इसका नया उदाहरण है जहां मूर्ति विसर्जन के लिये जा रहे एक व्यक्ति को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया गया। यह जानकारी उन्हीं घटनाओं की है, जो मीडिया में सामने आई हैं या जिनकी जानकारी सोशल मीडिया पर वायरल हुई। बढ़ते इस्लामी कट्टरपंथ को देखते हुए कहा जा सकता है कि कई घटनाएँ संभवत: बाकी शोर शराबे में दब गई होंगी।

कुल मिलाकर कट्टरपंथियों की जेहादी सोच के कारण पिछले कुछ वर्षों से शोभा यात्राओं या फिर प्रतिमा विसर्जन यात्राओं का शांतिपूर्ण माहौल में निकलना कठिन होता जा रहा है। इन धार्मिक यात्राओं पर पत्थरबाजी कई बार दंगों का रूप धारण कर लेती है, जैसा कि बहराइच में हुआ। यहां दुर्गा पूजा विसर्जन यात्रा पर घरों की छतों से पथराव हुआ। एक सतानती की हत्या कर दी गई और उसके बाद क्षेत्र में हिंसा भड़क उठी। प्रश्न यह है कि जब यह सब हो रहा था, तब पुलिस कहां थी ? पुलिस की अकर्मण्यता की वजह से ही दूसरे दिन युवक के अंतिम संस्कार को पहले फिर हिंसा भड़क उठी और उग्र लोगों ने कई घरों में तोड़फोड़ की और दुकानें जला दीं। यह ठीक है कि वरिष्ठ अधिकारियों के पहुंचने के बाद हिंसा पर काबू पर लिया गया, लेकिन अहम प्रश्न यह है कि क्या सद्भाव के मौहाल की वापसी हो सकेगी और उन तत्वों को सबक सिखाने वाली ठोस कार्रवाई हो सकेगी, जिनके कारण हिंसा का सिलसिला कायम हुआ ?

सबसे दुखद यह है कि इस तरह की किसी भी घटना के बाद कुछ लोग सवाल खड़े करने लगते हैं कि अमुक क्षेत्र से यात्रा निकाली ही क्यो गई। किसी भी क्षेत्र को हिंदू-मुस्लिम क्षेत्र के रूप में परिभाषित करना क्या उचित है। दरअसल, हिंदू मुस्लिम क्षेत्र की बातें ही विभाजनकारी और शरारत भरा एजेंडा हैं। ऐसे एजेंडे आम तौर पर वोट बैंक की राजनीति के तहत चलाए जाते हैं। इस एजेंडे की काट के साथ यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए किसी भी समुदाय के धार्मिक आयोजन हिंसक तत्वों को शिकार न बनने पाएं। राज्य सरकार को धार्मिक आयोजनों को निशाना बनाने वाले तत्वों के खिलाफ कड़े कदम उठाकर उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए ताकि फिर बहराइच, कौशांबी और गोंडा जैसी घटनाएं न हों।ऐसी घटनाओं से माहौल तो खराब होता ही है सरकारी सम्पति को भी काफी नुकसान पहुंचता है।

बहरहाल, बहारइच में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान रामगोपाल मिश्र की नृशंस हत्या पर विश्व हिंदू परिषद ने आक्रोश व्यक्त किया है। परिषद ने कहा कि पूरे देश में यह ट्रेंड चल पड़ है। कभी शोभायात्रा पर कभी, गरबा पंडाल में, कभी गणेश पूजन पर हमला हो रहा है। हर त्योहार तनाव से गुजर रहा है, जिसे हिंदू समाज स्वीकार नहीं करेगा।

-संजय सक्सेना

बेकाबू महंगाई का सितम झेलती जनता

भारत सहित हिमाचल में इन दिनों हरी सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं और महंगी सब्जियां आम लोगों की पहुंच से पार हो चुकी हैं। टमाटर के दाम ने तो सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। हिमाचल में जहां टमाटर 140 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है, वहीं हरा मटर 200 रुपए की दर से बिक रहा है। दूसरी सब्जियां भी 80-90 पार ही बिक रही हैं और सब्जी विक्रेताओं, आढ़तियों को कोई पूछने वाला नहीं है। आलू, प्याज, शिमला मिर्च सोने के भाव बिक रहे हैं। एक तरफ शादियों का सीजन चल रहा है, तो दूसरी तरफ त्योहारों के चलते लोगों की जेबें खूब ढीली हो रही हैं। सरकार द्वारा खाद्य पदार्थों के दामों और एमआरपी पर कोई ठोस नियंत्रण न होने के कारण एक तरफ देश में गरीबों की हालत दयनीय होती जा रही है तो वहीं अमीरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। भारत में हाल के वर्षों में खाद्यान्नों के दाम बहुत ज्यादा बढ़ चुके हैं।

ऊपर से, देश में रोजगार की स्थिति बेहद खराब है और लोगों की कमाई भी नहीं बढ़ रही है। इसलिए आम आदमी को पूरा आर्थिक परिदृश्य ही नकारात्मक नजर आ रहा है। हिमाचल प्रदेश के बाजारों में महंगाई बेलगाम होती जा रही है। ऐसे लगता है जैसे फल एवं सब्जियों के विक्रेताओं में नियम-कायदे और कानून का कोई खौफ नहीं है और वे मनमाने दामों पर सब्जियां और फल बेचकर मोटा मुनाफा कमाने में जुटे हुए हैं। ऊपर से तुर्रा यह है कि प्रशासनिक कार्रवाई, जुर्माने तथा दंड अथवा लाइसेंस कैंसिल होने का कोई डर न रहने के चलते शायद ही कोई सब्जी, फल विक्रेता अपनी दुकान में इनके दामों को प्रदर्शित करने वाला बोर्ड लगाने की जहमत उठाता होगा। त्योहारी सीजन के बीच में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर में बढ़कर 5.49 प्रतिशत हो गई, जो पिछले महीने 3.65 प्रतिशत थी। वहीं सितंबर में थोक महंगाई बढ़कर 1.84 फीसदी पर पहुंच गई है। महंगाई बढने के पीछे खाद्य एवं सब्जियों की कीमतों में वृद्धि मुख्य वजह रही। रिटेल बाजार में खाद्य पदार्थों और सब्जियों के दाम चाहे कितने भी क्यों न बढ़ जाएं, लेकिन किसान वर्ग को इसका फायदा कभी भी नहीं मिलता है। इसके विपरीत जमाखोरों, स्टोरियों द्वारा जमकर खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी की जाती है और बाजार में वस्तुओं का कृत्रिम अभाव पैदा कर महंगाई को बढ़ाकर चोखा मुनाफा कमाया जाता है। लिहाजा आप समझ सकते हैं कि बढ़ती महंगाई की सबसे ज्यादा मार गरीब एवं मध्यम वर्ग को झेलनी पड़ती है। आज संपन्न नागरिकों को भी चाहिए कि वे वस्तुओं के संग्रह की प्रवृत्ति से बचें और महंगाई को दूर करने में सरकार का सहयोग करें। पहले से ही कम वस्तुओं

को बेकार और बर्बाद न करें, विशेषकर शादियों, घरेलू कार्यक्रमों और धार्मिक उत्सवों में अन्न और सब्जियों की बर्बादी न करें।

अधिकारियों से उम्मीद है कि वे खाद्य वस्तुओं, विशेषकर फल, सब्जियों की उपलब्धता पर नजर रखने के साथ-साथ उनके दामों को नियंत्रण में रखते हुए सब्जी विक्रेताओं को प्रतिदिन के भावों को लिखकर बोर्ड पर प्रदर्शित करने के लिए कहेंगे, ताकि गरीब एवं सामान्य जनता को उनके हाथों से लुटने से बचाया जा सके। इस बात से भी सभी भली-भांति परिचित ही हैं कि आम आदमी तक खाद्य सामग्री पहुंचने से पहले दलालों, बिचौलियों और आढ़तियों की जेबें गर्म हो चुकी होती हैं जबकि किसानों को कभी भी उनके उत्पादों के सही दाम नहीं मिलते हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रशासन को यह पता ही नहीं है कि बाजारों में सब्जियों के दामों और अन्य खाद्य वस्तुओं का क्या हाल है। आज अधिकारी वर्ग अपनी कुर्सियों तक सीमित होकर रह गए हैं। आज से 30-35 वर्ष पूर्व जब कभी भी महंगाई का जिन्न अपना सिर उठाता था तो विपक्षी दलों द्वारा जरूर धरना-प्रदर्शन और विरोध प्रदर्शन की खबरें देखने-सुनने को मिलती थीं। लेकिन अब जैसे राजनीतिक दलों को आम जनता को होने वाली परेशानियों से कोई लेना-देना ही नहीं है। मूल्य सूची तो शायद ही कोई दुकानदार लगाता होगा, बिल देना तो दूर की कौड़ी समझिए। बाजारवाद की लूट में अधिकांश व्यापारियों की मौज लगी हुई है और वस्तुओं के मूल्यों पर सरकारी नियंत्रण कहीं नहीं दिखाई पड़ रहा है। आम ग्राहक सरेआम लुट रहा है। क्या आयकर विभाग ऐसे विक्रेताओं की कमाई तथा टैक्स देयता की भी जांच पड़ताल करेगा ? प्रश्न यह भी उठता है कि जब देश में जीवनोपयोगी वस्तुओं की बहुलता है तो फिर मूल्यवृद्धि क्यों और किसान गरीब क्यों ? यह सही है कि जनसंख्या में वृद्धि हो रही है, लेकिन वैश्विक सहयोग और कई अन्य उपायों से वस्तुओं की उपलब्धता में भी उसी अनुपात में बढ़ोतरी हो रही है, तो भी चीजें इतनी महंगी क्यों बिक रही हैं और महंगाई का बोलबाला क्यों है ?

अच्छे मानसून और बेहतर पैदावार के बावजूद खाद्य वस्तुओं का कृत्रिम अभाव कौन पैदा कर रहा है, क्यों सरकारें इन पर लगाम नहीं लगा पा रही हैं ? लोकतंत्र में राजनीतिक दलों को भी तो अंततः जनता जनार्दन की कृपा से ही सरकारें बनाने का सुफल मिलता है, तो फिर क्यों वे आम जनता के हितों को नजरअंदाज करते हैं ? सरकार को चाहिए कि वह आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 और कालाबाजारी निवारण एवं आवश्यक वस्तु आपूर्ति रखरखाव अधिनियम 1980 के प्रावधानों को सख्ती से लागू करे। अंततः सवाल उठता है कि क्या सरकार और अफसरशाही के पास इस लूटपाट को अंजाम देने वाले जमाखोरों, मुनाफाखोरों और कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ किसी प्रकार की कोई कार्रवाई करने का जीवट है ?

-अनुज आचार्य
स्वतंत्र लेखक

राशिफल

आश्विन शुक्ल पक्ष : प्रतिपदा | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मन आनंदित रहेगा। प्रेम में लिप्त रहेंगे। संबंधों में लिप्त रहेंगे। नौकरी चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी रहेगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
शत्रु स्वयं नतमस्तक होंगे। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य थोड़ा ऊपर-नीचे रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
नव प्रेम का आगमन होगा। बच्चों की स्थिति में सुधार। प्रेम में बहुत अपनापन। विद्यार्थियों के लिए बहुत अच्छा समय।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
लग्जरीपूर्ण जीवन रहेगा। भूमि, भवन वाहन की खरीदारी संभव है। घर में कुछ उत्सव संभव है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
पराक्रम रंग लाएगा। अपनों का साथ होगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान का साथ।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
धन का आवक बढ़ेगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। मन प्रफुल्लित रहेगा। अच्छे भोजन का रसास्वादन करेंगे।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
समाज में आपका कद बढ़ेगा। समाज में आप सराहे जाएंगे। जरूरत के हिसाब से जीवन में वस्तुएं उपलब्ध होंगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
खर्च की अधिकता रहेगी लेकिन आभूषण, फैशन व जेवर इत्यादि में खर्चे होंगे। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। यात्रा में लाभ होगा। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यापारिक स्थिति दूर-दूर तक पहुंचेंगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। उच्चाधिकारियों का आशीर्वाद मिलेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भाग्यवश कुछ काम बनेंगे। कार्यों की विघ्न बाधा खत्म होगी। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम-संतान अच्छा, व्यापार बहुत अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
बचकर पार करें। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं।

किसानों के धरने में जुट रहे हैं लोग

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। संयुक्त किसान मोर्चा का धरना आज भी जारी रहा। धरने के पांचवें दिन धरने की अध्यक्षता रामपाल अवाना ने की और संचालन किसान सभा के महासचिव जगबीर नंबरदार ने किया। किसान सभा गौतम बुद्ध नगर के जिला अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि हाई पावर कमेटी, जिसके सदस्य जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर खुद भी हैं उनके द्वारा कमेटी की रिपोर्ट को जाहिर नहीं करना कहीं ना कहीं प्राधिकरण और सरकार की नीयत में खोट को दर्शाता है। जिलाधिकारी गौतम बुध नगर प्राधिकरण के दबाव में रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं कर रहे हैं इससे दिन प्रतिदिन क्षेत्र के किसानों में रोष बढ़ रहा है।

भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारी लड़ाई आर पार की है किसान 10 प्रतिशत प्लाट के मुद्दे को लेकर लंबे समय से आंदोलन कर रहे हैं। इसी सिलसिले में सरकार ने 21 फरवरी को हाई पावर कमेटी का गठन किया जिससे कि किसानों के उक्त मुद्दे पर कार्रवाई होकर हल किया जा सके। जय जवान जय किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील फौजी ने कहा कि नया कानून पूरे देश में लागू हो गया परंतु गौतमबुद्ध नगर में उसे जानबूझकर लागू नहीं किया गया है खुद मुख्यमंत्री के जनपद गोरखपुर में किसानों को चार गुना मुआवजा दिया जा रहा है जबकि गौतम बुद्ध नगर में मुआवजा सर्किल रेट का दोगुना और वह भी सर्किल रेट पिछले 10 वर्षों से नहीं बढ़े हैं। इस तरह हवाई अड्डे सहित डीएमआईसी सहित पेरिफेरल एक्सप्रेस वे सहित सभी परियोजनाओं के लिए किसानों की लूट हो रही है।

धरने में निरंकार प्रधान, सतबीर यादव, गबरी यादव ओम दत्त पंडित, भीम सिंह, अजय पाल भाटी, सुंदर प्रधान पप्पू ठेकेदार मनोज प्रधान मनवीर खानपुर सूल यादव बुधपाल यादव सतबीर यादव, मास्टर राजवीर सिंह सतपाल खारी धर्मेंद्र भाटी अशोक भाटी प्रशांत भाटी गुरप्रीत एडवोकेट मोहित भाटी मोहित यादव मोहित नागर बाबा छात्र रंगलाल भाटी जयप्रकाश आर्य और अनूप राघव गोपाल शर्मा विक्रम भारती, जगत प्रधान संजय शर्मा जयवीर प्रधान सोनू पहलवान नीरज गुर्जर कंवरपाल प्रधान आदि लोग मौजूद रहे।

सपाइयों ने मनाई महर्षि बाल्मीकि जी की जयंती

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर गुरुवार को रामायण के रचियता, आदि कवि महर्षि बाल्मीकि जी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि आदि कवि के नाम से विख्यात महर्षि बाल्मीकि एक महान ऋषि और संस्कृत के विद्वान थे, जिन्होंने हिन्दू धर्म के प्रसिद्ध ग्रन्थ रामायण की रचना की। जिसमें 24,000 श्लोक हैं।

उन्होंने रामायण बड़े सुन्दर तरीके से भगवान राम के चरित्र का वर्णन किया है। हम सब को उनके दिखाए मर्जीबपर चलने का संकल्प लेना चाहिए। इस मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष इन्दर प्रधान, पूर्व प्रत्याशी डॉक्टर महेंद्र नागर, नरेंद्र नागर, सुनील देवटा, रामसरन नगर एडवोकेट, मेहंदी हसन, कपिल ननका, डॉक्टर शशी बाला यादव, विकास जतन, मनोज शर्मा, जुगती सिंह, सुदेश भाटी, बबलू सेन, विपिन सेन, कुलदीप भाटी, विपिन कसाना, गजेंद्र यादव, हैप्पी पंडित, हरवीर प्रधान, अनिल यादव, अंजली श्रीवास्तव, मुकेश्वरी, राजेश कुमार गौर, बालेश्वर वाल्मीकि, ऋतिक प्रधान, प्रदीप बाल्मिकी, इमरान मलिक, वकील अब्बासी, इंद्रराज सिंह, सोना आदि मौजूद रहे।

गरीबों को कराया भोजन

नोएडा (चेतना मंच)। कल वाल्मीकि जयंती के अवसर पर दीदी की रसोई ट्रस्ट की अध्यक्ष रितु सिन्हा व कोषाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा द्वारा जरूरतमंद बच्चों को निशुल्क भोजन का वितरण किया गया।

इस अवसर पर दीदी की रसोई ट्रस्ट की अध्यक्ष व समाजसेवीका रितु सिन्हा, ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि हमारी संस्था लगातार गरीब जरूरतमंद लोगों की सेवा में लगी रहती है।

बाहुबली विजय मिश्रा के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले

बंशीधर को भाजपा ने नहीं दिया ईनाम

भदोही। 1988 से जिले में शुरू हुआ दहशतगर्दी का सूरज उस समय डूबा जब बाहुबली विजय मिश्र के खिलाफ अपनी जान की परवाह किए बिना बंशीधर उपाध्याय ने मोर्चा खोल दिया बताते चलें कि भदोही ही नहीं आसपास के कई जिलों में पूर्व विधायक विजय मिश्रा का आतंक इस कदर हावी हुआ कि जिस सड़क से उस बाहुबली की गाड़ी गुजर जाती थी लोगों की सिट्टी पिट्टी बंद हो जाती थी।

1988 से राजनीतिक सफर शुरू करने वाला विजय मिश्रा ब्लॉक प्रमुख जिला पंचायत अध्यक्ष एवं ज्ञानपुर से चार बार विधायक रहा चुनाव के दौरान कई संगीन मामलों में शामिल बाहुबली विजय मिश्रा के खिलाफ जनपद में कोई भी व्यक्ति बोलने की हिम्मत नहीं करता था। लेकिन जब 2017 में भाजपा की सरकार प्रदेश में सत्ता सीन हुई तब ज्ञानपुर के कांवल गांव निवासी बंशीधर उपाध्याय ने हत्या के कई मामले में वांछित बाहुबली विजय मिश्रा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और कानूनी लड़ाई लड़ते-लड़ते बंशीधर उपाध्याय ने उसे जेल भेजवाने में सफल रहे हालांकि अभी भी कई मुकदमों में बाहुबली का न्यायालय में ट्रायल चल रहा है और कई मुकदमे में उसे सजा भी हो चुकी है।

हालांकि बंशीधर उपाध्याय का जन्म एक किसान परिवार में हुआ है और वह बहुत ही सहज एवं सरल व्यक्ति हैं। लेकिन जब अत्याचार की पराकाष्ठा बढ़ी तो उन्होंने अपने परिवार एवं अपनी जान को जोखिम में डालकर बाहुबली के खिलाफ मुख्यर हो गये।

जनपद के सभी समाज एवं वर्ग के लोग बंशीधर उपाध्याय की प्रशंसा करते हैं। हालांकि जनपद में कई बड़े नेता भी हैं लेकिन उन्होंने कभी भी मुखर होकर बाहुबली का विरोध नहीं किया। शासन प्रशासन एवं सरकार का जब डंडा चला तो बाहुबली की सारी हेकड़ी निकल गई। भाजपा सरकार ने इतना बड़ा काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता एवं किसान नेता बंशीधर उपाध्याय को अभी तक इनाम के रूप में कुछ भी नहीं दिया है इसकी चर्चा राजनैतिक गलियारों में तेजी के साथ हो रही।

कई भाजपाई भी हैं बाहुबली के पैरोकार

भदोही (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी की जिला इकाई में भी पूर्व विधायक बाहुबली विजय मिश्रा के अभी भी कई ऐसे पैरोकार हैं जो शासन प्रशासन में अपनी पैरोकारी समय-समय पर करते रहते हैं ऐसे भाजपाइयों को संगठन के बड़े नेता चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई अवश्य करनी चाहिए। अभी हाल ही में अमवा (माफी) गांव निवासी एवं बाहुबली विजय मिश्रा का खास गुर्गा नंदलाल पाण्डेय के खिलाफ जब एक फर्जी जमीन की रजिस्ट्री कराने के मामले में पुलिस ने मुकदमा लिखकर कार्यवाही की तो भाजपा के कई दिग्गज नेता उसकी पैराकारी में एसपी से लेकर डीएम दरबार तक दौड़ लगाने लगे। जबकि यह बात जंग जाहिर है कि पाण्डेय नंदलाल बाहुबली का खास चेला है।

ग्रेनो प्राधिकरण ने बिसरख में जमीन अतिक्रमण पर चलाया बुल्डोजर

नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बिसरख गांव के (खसरा नंबर-435) आवंटित भूखंड पर बाउंड्री कर आवंटी को निर्माण न करने देने पर बृहस्पतिवार को प्राधिकरण ने कार्रवाई की। पुलिस की मदद से प्राधिकरण ने लगभग 33000 वर्ग मीटर जमीन की बाउंड्री को ध्वस्त कर अतिक्रमण से मुक्त करा दिया है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने अधिसूचित एरिया में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण की टीम अतिक्रमण हटाने की लगातार कार्रवाई कर रहा है। बृहस्पतिवार सुबह वर्क सर्किल तीन की टीम ने बिसरख गांव के खसरा संख्या 435 के कुछ हिस्से पर अवैध निर्माण को तोड़ दिया। कुछ लोग लगभग 33000 वर्ग मीटर के कुछ हिस्से पर बाउंड्री करके जमीन कब्जाने की कोशिश कर रहे थे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी अभिषेक पाठक, नायब तहसीलदार पुष्पा यादव और वर्क सर्किल तीन के प्रभारी नरोत्तम चौधरी की टीम ने अवैध निर्माण को ढहा कर जमीन खाली करा ली है। ओएसडी अभिषेक पाठक ने चेतावनी दी है कि प्राधिकरण की जमीन कब्जाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने परियोजना विभाग के सभी वर्क सर्किल प्रभारियों को अपने एरिया में जमीन पर अतिक्रमण रोकने के लिए कड़ी नजर रखने और अतिक्रमण की सूचना मिलते ही कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। एसीईओ सुनील कुमार सिंह ने अपील की है कि अगर कहीं पर अवैध रूप से जमीन कब्जा कर कॉलोनी काटी जा रही है तो उसमें अपनी गाढ़ी कमाई न फंसाएं। ग्रेटर नोएडा में कहीं भी जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से संपर्क कर पूरी जानकारी जरूर प्राप्त कर लें।

विंध्य क्षेत्र में ही वाल्मीकि ने रामायण की रचना की : संजय

मीरजापुर (चेतना मंच)। शरद पूर्णिमा के पावन पर्व पर नगर के कवियों ने आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर कवि केदारनाथ सविता के आवास लक्ष्मण प्रसाद की गली, वासलीगंज में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया। गोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित साहित्यकार, इतिहासवेत्ता और शोधपरक लेखक डॉक्टर जितेन्द्र कुमार सिंह संजय थे। अध्यक्षता वरिष्ठ कवि भोलानाथ कुशवाहा एवं हिंदी-संस्कृत के मणिकांचन संयोग के साथ गोष्ठी का संचालन कवि एवं समीक्षक अरविंद अवस्थी ने किया। मुख्य अतिथि जितेन्द्र कुमार सिंह संजय ने अपने सारगर्भित व्याख्यान के माध्यम से आदि कवि के विषय में विभिन्न प्रसंग प्रस्तुत किया।उन्होंने कहा कि विंध्य क्षेत्र में ही महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना की थी। अपने कविता पाठ में उन्होंने सुनाया। नर क्रौंच को तीर लगा क्षण में, ऋषि के उर हूक लगी हुई थी।

अध्यक्ष भोलानाथ कुशवाहा ने अपनी नई कविता सुनाई। मैं कबीर से अलग, लाखों करोड़ों की तरह सिर झुकाता रहा, पत्थरों और चित्रों में, मैं कबीर कैसे बनता। मैं कबीर नहीं बन पाया, नवगीत एवं गज़लकार गणेश गंभीर ने कुंडलियां प्रस्तुत की। जीवन में दुःख हैं कई, सुख भी हैं दो चार। अपनी सबसे पट रही , सबसे है व्यवहार। कवि अरविंद अवस्थी ने वृक्षों का महत्व बताते हुए सुनाया। होता तो फूलता - फलता, छाँव भी देता,मगर दूर - दूर तक , न एक भी शज़र देखा।

प्रसिद्ध भोजपुरी कवि लल्लू तिवारी ने आदिकवि को इस तरह याद किया -जिन्होंने रामायण लिख हम पर उपकार किया,ऐसे गुरुदेव वाल्मीकि को नमन है। गुमनाम मिर्ज़ापुरी ने स्त्री की पीड़ा व्यक्त किया--गिराई, जलाई, दबोची जाती, अबला जीवन जीती है। कवि केदारनाथ सविता ने आदि कवि को याद करते हुए कहा- आदिकवि वाल्मीकि ने असहाय सीता को आश्रय प्रदान किया। युवा कवि श्याम अचल ने संस्कृति को महत्व देते हुए सुनाया। मेरी संस्कृति है मेरी मां, मेरा अस्तित्व उससे है। मेरा किरदार ये असली कहाँ जाए कहां जाए। युवा कवयित्री पूजा यादव ने बेटी को आधार बनाकर कविता प्रस्तुत की। जिम्मेदारी का दूसरा नाम है घर की बड़ी बेटी। कवयित्री नंदिनी वर्मा ने श्रृंगार-गीत प्रस्तुत कर वाहवाही पाई। अब टूटा स्वप्न मेरा, मैं जागी गोष्ठी के प्रारंभ में जगजननी विंध्यवासिनी के चित्र पर अतिथियों ने माल्यार्पण किया तथा पूजा यादव ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

जमीन अधिग्रहण को लेकर विधायक व सीईओ व डीएम ने ग्रामीणों संग की बैठक

जेवर (चेतना मंच)। जेवर एयरपोर्ट के द्वितीय चरण में अधिग्रहण की रही ग्राम आकलपुर, म्याना एवं मकसूदपुर की भूमि से प्रभावित कृषकों की समस्याओं का त्वरित गति से निस्तारण कराने के उद्देश्य से विधायक जेवर धीरेन्द्र सिंह, मुख्य कार्यपालक यमुना विकास प्राधिकारण ग्रेटर नोएडा डा0 अरूणवीर सिंह, जिला अधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा ने छेदी सिंह इंटर कॉलिज आकलपुर, म्याना जेवर में पहुंचकर प्रभावित कृषकों से सीधा संवाद किया। संवाद के दौरान जेवर एयरपोर्ट से प्रभावित कृषकों द्वारा आबादी और मुआवजा आदि समस्याओं से अवगत कराया गया। सभी ने प्रभावित समस्त कृषकों की समस्याओं का बिंदुवार निस्तारण करते हुये आश्वत किया कि भूमि अधिग्रहण में उनके हितों को सुरक्षित रखते हुये एवं किसानों की सहमति से ही भूमि का अधिग्रहण किया जायेगा। शासन की स्पष्ट मंशा है कि कृषकों के हितों के लिये सकरात्मक कार्य किये जाये एवं संवाद बनाकर प्रभावित कृषकों की समस्याओं का निराकरण जनपद स्तर या शासन स्तर पर कराया जाये। आयोजित चौपाल में संवाद के उपरान्त ग्राम आकलपुर, म्याना एवं मकसूदपुर के प्रभावित कृषकों द्वारा भूमि अधिग्रहण की सहमति दी गई। इस महत्वपूर्ण बैठक अपर जिला अधिकारी भू/अ0 बच्चू सिंह, उप जिला अधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह एवं सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

PUBLIC NOTICE

(0.5.R.20) Applicant Adv -B.J.DABHI

IN THE COURT OF MOTOR ACCIDENT CLAIM TRIBUNAL JUDGE SHRI.N.A.ANJARIA SAHEB (P.D.J COURT) OF KHEDA AT NADIAD. (GUJARAT STATE)

M.A.C.P. NO-669/2018
EXH. -50

APPLICANT :-
ARVINDBHAI LAXMANBHAI PARMAR AT.KHALADI, TA.MAHUDHA, DISTRICT. KHEDA

VS.

OPPONENTS:-
(4) RAJESHKUMAR
Address -VIKK BAZIPUR PO. GHEJA BHENGAL PH 2 NOIDA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, 201301, UTTAR PRADESH

Fixed On:-21.10.2024

Whereas, Applicant has instituted the above filed an application agaist you U/S 166 of Motor Vehical Act due to an Accident occurred by vehicale UP-16-R-9055 to recover compensation of Rs.5,00,000/- with interest of 18% from you, You are hereby orderderd to remain present on this Court In person or by a pleader on the day of 21st October, 2024 at 10.45 a.m. to answer the same with all the documents on which you rely upon, failing which the application will be disposed of ex- parte.
Given under my hand and the seal of the Tribunal on 14 october 2024

Prepared By (P.J.Parmar) Assistant | **Campared By (V.M.Dodiya) Suprintendent** | **By Order Deputy Registrar, He M.A.C.T.Branch, District Court, Nadiad.**

PUBLIC NOTICE

(0.5.R.20) Applicant Adv -B.J.DABHI

IN THE COURT OF MOTOR ACCIDENT CLAIM TRIBUNAL JUDGE SHRI.N.A.ANJARIA SAHEB (P.D.J COURT) OF KHEDA AT NADIAD. (GUJARAT STATE)

M.A.C.P. NO-670/2018
EXH. -46

APPLICANT :-
AJITSINH BHARATSINH PARMAR
AT.KHALADI, TA. MAHUDHA, DISTRICT. KHEDA

VS.

OPPONENTS:-
(4) RAJESHKUMAR
Address -VILL BAZIPUR PO. GHEJA BHENGAL PH-2 NOIDA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, 201301, UTTAR PRADESH

Fixed On:-21.10.2024

Whereas, Applicant has instituted the above filed an application agaist you U/S 166 of Motor Vehical Act due to an Accident occurred by vehicale UP-16-R-9055 to recover compensation of Rs.5,00,000/- with interest of 18% from you, You are hereby orderderd to remain present on this Court In person or by a pleader on the day of 21st October, 2024 at 10.45 a.m. to answer the same with all the documents on which you rely upon, failing which the application will be disposed of ex- parte.
Given under my hand and the seal of the Tribunal on 14 october 2024

Prepared By (P.J.Parmar) Assistant | **Campared By (V.M.Dodiya) Suprintendent** | **By Order Deputy Registrar, He M.A.C.T.Branch, District Court, Nadiad.**

खास खबर

रुपया हल्की बढ़त लेकर 83.77 पर खुला

मुंबई। विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले हल्की बढ़त लेकर 83.77 पर खुला। बाजार के जानकारों का कहना है कि विदेशी मुद्रा में कमजोरी की वजह से रुपया को बल मिला है। वहीं बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया सीमित दायरे में कारोबार के बाद दो पैसे की बढ़त के साथ 84.02 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कच्चे तेल की घटती कीमतों से निवेशकों की कारोबारी धारणा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि मजबूत डॉलर और घरेलू शेयर बाजारों में नरम रुख के कारण रुपये पर दबाव पड़ा।

इंटेग्रम एनर्जी ने आईपीओ लाने के लिए दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली। अक्षय ऊर्जा समाधान प्रदाता इंटेग्रम एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए प्रारंभिक दस्तावेज जमा कर दिए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष जमा किए दस्तावेजों के अनुसार आईपीओ 49.50 लाख के ताजा शेयर और निर्गम तथा प्रवर्तकों द्वारा 5.40 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। बयान में कहा गया कि कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई मंच पर सूचीबद्ध होंगे। नए निर्गम से हासिल राशि का इस्तेमाल अनुषंगी कंपनी इंटेग्रम ग्रीन एसेट्स में निवेश के लिए किया जाएगा।

सेवेंटीन ने जीयूवीएनएल के साथ पहला हाइब्रिड बिजली खरीद समझौता किया

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड की शाखा जेएसडब्ल्यू रिन्यू एनर्जी सेवेंटीन लिमिटेड ने एसटीयू से जुड़ी 192 मेगावाट पवन-सौर हाइब्रिड क्षमता के लिए गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) के साथ बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि यह समझौता पवन-सौर हाइब्रिड क्षमता के लिए कंपनी का पहला बिजली खरीद समझौता (पीपीए) है। बयान के अनुसार, पीपीए पर 3.27 रुपये प्रति किलोवाट घंटा की दर से 25 वर्ष की अवधि के लिए बिजली आपूर्ति के लिए हस्ताक्षर किए गए हैं। इस परियोजना के 24 महीने के भीतर शुरू होने की उम्मीद है।

टाटा पावर ने आरईसी पावर डेवलपमेंट से विशेष इकाई प्राप्त की

नई दिल्ली। टाटा पावर ने आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड से एक विशेष इकाई (एसपीवी) ईआरईएस-एक्सएक्सएक्सआईएक्स पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड हासिल कर ली है। टाटा पावर ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, उसे ईआरईएस-एक्सएक्सएक्सआईएक्स पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए आरईसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड से आशय पत्र (एलओआई) मिला है। इसका वार्षिक पारेषण शुल्क 289.729 करोड़ रुपये है।कंपनी सूचना के अनुसार, परियोजना एसपीवी ईआरईएस-एक्सएक्सएक्सआईएक्स को निर्माण-स्वामित्व-संचालन-हस्तांतरण के आधार पर विकसित किया जाएगा।

आईफोन 16 की लांच के बाद ऐपल स्टोर्स पर उमड़ी भारी भीड़

नई दिल्ली। आईफोन 16 के लॉन्च के बाद देशभर में ऐपल स्टोर्स पर भारी भीड़ उमड़ रही है। खासकर आईफोन 16प्रो मेक्स के डेजर्ट टाइटेनियम वेरिएंट की डिमांड सबसे ज्यादा रही, और यह कलर वेरिएंट भारतीय बाजार में सबसे अधिक बिकने वाला बन गया है। लोग लाइनों में खड़े होकर इस प्रीमियम स्मार्टफोन को खरीदने के लिए उत्साहित नजर आए। ऐसी खबरें आ रही हैं कि दिल्ली, मुंबई और जयपुर जैसे बड़े शहरों में दुकानदार आईफोन 16प्रो मेक्स के लिए 10,000 रुपये तक अतिरिक्त चार्ज कर रहे हैं। कई ग्राहक बिना किसी सवाल के अतिरिक्त पैसे देने को तैयार हैं, ताकि वे जल्दी से जल्दी इस फोन को पा सकें। हालांकि, कुछ अन्य वेरिएंट्स पर भी 5,000-6,000 रुपये अतिरिक्त वसूले जा रहे हैं।

सैटकॉम स्पेक्ट्रम आवंटन को लेकर परामर्श प्रक्रिया जारी : ट्राई प्रमुख

- दूरसंचार नियामक सिफारिशें प्रस्तुत करने से पहले सभी सुझावों पर गौर करेगा
- दूरसंचार विभाग से संदर्भ मिला है। हमने दूरसंचार विभाग से प्राप्त संदर्भ के प्रत्युत्तर में परामर्श प्रक्रिया शुरू कर दी है

एजेंसी

नई दिल्ली। सैटकॉम स्पेक्ट्रम आवंटन के तौर-तरीकों को लेकर खींचतान के बीच ट्राई के चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि परामर्श प्रक्रिया अभी जारी है और दूरसंचार नियामक सिफारिशें प्रस्तुत करने से पहले सभी सुझावों पर गौर करेगा। नियामक की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब स्टारलिंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क और भारतीय दिग्गजों के बीच सैटेलाइट स्पेक्ट्रम को लेकर गतिरोध जारी है। ट्राई के चेयरमैन लाहोटी ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) के अवसर पर पत्रकारों से कहा कि हमें दूरसंचार विभाग से संदर्भ मिला है। हमने दूरसंचार विभाग से प्राप्त संदर्भ के प्रत्युत्तर में परामर्श प्रक्रिया शुरू कर दी है और इसमें उन मुद्दों को शामिल किया गया है जिन्हें दूरसंचार विभाग द्वारा ट्राई को भेजा गया है, परामर्श प्रक्रिया जारी है हम परामर्श प्रक्रिया के दौरान प्राप्त सभी विचारों पर गौर करेंगे और अपनी सुविचारित सिफारिशें प्रस्तुत करेंगे। रिलायंस जियो की स्थलीय तथा उपग्रह कंपनियों के बीच समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए ट्राई परामर्श पत्र को संशोधित करने की मांग पर ट्राई के चेयरमैन ने कहा कि विभिन्न हितधारक परामर्श प्रक्रिया पर अलग-अलग मांग उठाते हैं। हम इन सभी दृष्टिकोणों तथा विचारों पर गौर करते हैं और एक सुविचारित दृष्टिकोण अपनाते हैं। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने उपग्रह-आधारित संचार में इस्तेमाल होने वाले स्पेक्ट्रम का आवंटन नीलामी के जरिये किए जाने की भारतीय अरबपति मुकेश अंबानी और सुनील भारती मित्तल की मांग को अभूतपूर्व बताते हुए निशाना साधा है। अंबानी की दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो पुराने दूरसंचार परिचालकों को समान अवसर देने के लिए नीलामी के जरिये ऐसे स्पेक्ट्रम आवंटित करने की जरूरत पर बल दे चुकी है। भारती एयरटेल के प्रमुख मित्तल ने भी हाल ही में ऐसे आवंटन के लिए बोली लगाने की वकालत की। हालांकि मस्क की अगुवाई वाली स्टारलिंक वैश्विक रुख के अनुरूप उपग्रह-आधारित संचार के लिए लाइसेंसों का प्रशासनिक आवंटन किए जाने की मांग कर रही है। स्टारलिंक दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते मोबाइल टेलीफोन और इंटरनेट बाजार भारत में कदम रखने की योजना बना रही है। दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी इस रुख से सहमति जताते हुए कहा कि दूरसंचार तरंगों को नीलामी के बजाय प्रशासनिक आवंटन के जरिये दिया जाएगा। सिंधिया ने कहा कि दूरसंचार अधिनियम, 2023 ने इस मामले को अनुसूची एक में रखा है, जिसका मतलब है कि उपग्रह संचार स्पेक्ट्रम को प्रशासनिक रूप से आवंटित किया जाएगा। इसका मतलब यह नहीं है कि स्पेक्ट्रम बिना लागत के आता है। वह लागत क्या होगी और उस लागत का फॉमूर्ला क्या होगा, यह ट्राई तय करेगा।

भारत की जनरेशन जेड 2025 तक 1.8 ट्रिलियन डॉलर खर्च करेगी

नई दिल्ली। भारत को एक युवा राष्ट्र माना जाता है। देश की 377 मिलियन आबादी जनरेशन जेड से आती है। रिपोर्ट के अनुसार, जेन जेड 2025 तक 1.8 ट्रिलियन डॉलर का प्रत्यक्ष खर्च लाने में सक्षम होगा। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में, जनरेशन जेड का प्रत्यक्ष खर्च 250 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। इस समय तक हर दूसरा जनरेशन जेड कमाई कर रहा होगा। जेन जेड की सामूहिक व्यय क्षमता 860 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई है, जो 2035 तक 2 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ेगी। जनरेशन जेड, मिलेनियल्स के बराबर ही खरीदारी करता है। वे अपने खर्च पर 1.5 गुना ज्यादा रिसर्च करते हैं। बाजार जानकार ने कहा, भारत एक युवा राष्ट्र है, जिसकी 377 मिलियन जनरेशन जेड आबादी है, जो अगले दो दशकों में भारत के विकास के भविष्य को आकार देगी। जेन जेड को सेवा देने वाले प्लेटफॉर्म के रूप में हम ब्रांड और बिजनेस के साथ काम करने को तैयार हैं। करीब 45 प्रतिशत व्यवसाय जनरेशन जेड की क्षमता को पहचानते हैं।

सरस्वान ज्वेलर्स के चौथे शोरूम का शुभारंभ

रांची। राजधानी रांची के मेन रोड में शहर के जाने-माने आभूषण व्यापारी सुशील कुमार गुप्ता ने अपने चौथे शोरूम सरस्वान ज्वेलर्स का शुभारंभ कर दिया है। इस खास मौके पर सुप्रसिद्ध अभिनेत्री हेमा मालिनी और ईशा देओल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति रही। समारोह की शुरूआत अभिनेत्री हेमा मालिनी एवं ईशा देओल ने दीप प्रज्वलित कर किया। सरस्वान ज्वेलर्स शोरूम का उद्घाटन परिवार के सबसे बुजुर्ग श्री हनुमान प्रसाद डीडवानिया ने किया। उद्घाटन के साथ ही अतिथियों के मनोरंजन के लिए सम्मोहक कार्यक्रम भी हुए। आपको बता दें की पिछले 35 वर्षों से सुशील कुमार गुप्ता आभूषण व्यापार से जुड़े हैं। शहर में भरोसे का प्रतीक माने जाने वाले मां गायत्री ज्वेलर्स के संचालक सुशील कुमार गुप्ता ने आज से 35 साल पहले वर्ष 1988 में नगीना ज्वेलर्स के साथ आभूषण व्यापार में कदम रखा था। बेहतरीन आभूषणों के कलेक्शन और अपने भरोसे की बदौलत दिन-ब-दिन आगे बढ़ते गए और कुछ ही समय बाद वर्ष 2001 में आनंद ज्वेलर्स की शुरूआत हुई, जिसमें पहली बार कैरेटोमीटर लाया गया। आपको बता दें कि उस समय तक सोने की शुद्धता जांच करने की शहर में कोई साधन उपलब्ध नहीं थी। ऐसे में आनंद ज्वेलर्स ने ग्राहकों के लिए अपने भरोसे को बढ़ाते हुए सोने की शुद्धता जांच करने के लिए कैरेटोमीटर की उपलब्धता को आसान कर दिया था। सीधे तौर पर कहा जाए तो आनंद ज्वैलर्स रांची शहर का पहला ज्वेलरी शोरूम था जहां सोने की शुद्धता जांच करने के लिए कैरेटोमीटर का इस्तेमाल किया जाता था। उसके बाद सुशील कुमार गुप्ता ने अपनी विरासत को आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2009 में मां गायत्री ज्वेलर्स के रूप में अपने तीसरे शोरूम का शुभारंभ रांची के सबसे वीआईपी माने जाने वाले शॉपिंग कंपलेक्स चर्च कंपलेक्स परिसर में किया। ग्राहकों के बीच में अपनी विशेष पहचान और भरोसे के कारण सफलता की ओर कदम बढ़ाते हुए आज आभूषणों के विशाल संग्रह के साथ शहर में सबसे भव्य शोरूम का शुभारंभ किया।

टोयोटा ने अर्बन क्रूजर टेसर के एक्सक्लूसिव लिमिटेड एडिशन के साथ मनाई त्योहारी मौसम की खुशियां

जमशेदपुर। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने त्योहारों के उत्साह को और बढ़ाते हुए अपने बेहद लोकप्रिय मॉडल - अर्बन क्रूजर टेसर के एक्सक्लूसिव लिमिटेड एडिशन की घोषणा की। स्टाइल और प्रीमियम खासियतों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए डिजाइन किया गया यह स्पेशल एडिशन, ग्राहकों की खुशी और उत्साह बढ़ाने के लिए टोयोटा जेनुइन एक्सेसरीज (टीजीए) पैकेज के साथ आता है। यह लिमिटेड एडिशन 20,160 रुपये के व्यापक टीजीए पैकेज के साथ आता है जो बहुमुखी यूसी टेसर के बाहरी और आंतरिक दोनों को बेहतर बनाता है। टीकेएम के सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट सबरी मनोहर ने कहा, 'टोयोटा में, हमारा प्रयास हमेशा अपने ग्राहकों के खास अवसरों और उत्सवों का हिस्सा बनने पर केंद्रित रहा है, जो आनंद दायक, ग्राहक-केंद्रित अनुभव तैयार करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अर्बन क्रूजर हाइराइडर फेस्टिव एडिशन की हाल ही में शुरूआत के बाद, हम अर्बन क्रूजर टेसर के फेस्टिव एडिशन की पेशकश करते हुए उत्साहित हैं।

डिजिटल अर्थव्यवस्था 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने में एआई निभाएगा अहम भूमिका

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को 2028 तक 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह खुलासा गूगल की रिपोर्ट से हुआ है। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 20 फीसदी होगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि एआई न केवल आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा, बल्कि भारत को वैश्विक स्तर पर उभरने में भी मदद करेगा। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2030 तक भारत में एआई के व्यापक उपयोग से कम से कम 33.8 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक मूल्य हासिल हो सकता है। रिपोर्ट बताती है कि भारत अपनी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, उत्कृष्ट तकनीकी प्रतिभा, युवा जनसंख्या और जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम के साथ एआई से मिलने वाले लाभों का पूरी तरह से उपयोग करने के लिए तैयार है। रिपोर्ट में कहा गया है एआई पहले से ही कृषि और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। एआई-संचालित प्लेटफॉर्म एग्रोस्टार किसानों को सशक्त बनाकर फसल उत्पादन बढ़ाने में मदद कर रहा है।

स्कोडा ऑटो इंडिया की बिल्कुल नई काइलैक जल्द ही होगी मार्केट में

जमशेदपुर। नई कारों के प्रति कार प्रेमियों का रुझान हमेशा ही बरकरार रहता है। ऐसे में, नई कार की चाह रखने वाले कार प्रेमियों का इंतजार बस कुछ ही दिनों में खत्म होने को है, क्योंकि स्कोडा ऑटो इंडिया अपनी नई कॉम्पैक्ट एसयूवी 'काइलैक' के लॉन्च के साथ एक नए युग की शुरूआत करने जा रहा है। यह कार 6 नवंबर, 2024 को ग्लोबली लॉन्च होगी। स्कोडा ऑटो इंडिया के सीईओ पीयूष अरोड़ा ने बताया कि काइलैक को खासतौर पर भारतीय बाजार के लिए डिजाइन किया गया है और इसे पूरी तरह भारत में ही बनाया गया है। ऐसे में, यह 'मेक इन इंडिया' की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। यह एसयूवी आराम, सुरक्षा और बेहतरीन ड्राइविंग अनुभव का सही संयोजन है। ब्रांड डायरेक्टर पेट्र जेनबा ने बताया कि काइलैक भारत में स्कोडा की सबसे बड़ी लॉन्च में से एक होगी और यह भारतीय ग्राहकों के लिए एक गेमचेंजर साबित होगी। काइलैक भारत

में यूरोपीय तकनीक को आम लोगों के लिए उपलब्ध कराएगी। काइलैक की डिजाइन मॉडर्न, बोल्ड और मस्कुलर है, जो नई पीढ़ी को आकर्षित करेगी। इसमें स्कोडा की पारंपरिक डिजाइन के साथ-साथ हाई ग्राउंड क्लियरेंस भी है, जिससे यह ऊबड़-खाबड़ सड़कों पर भी आसानी से चल सकेगी। इसमें 1.0 टीएसआई इंजन शामिल किया गया है, जो 85 किलोवॉट की पॉवर और 178 एनएम टॉर्क उत्पन्न करता है। इसे 6-स्पीड मैनुअल और ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ लॉन्च किया जाएगा। काइलैक ने ग्लोबल एनसीएपी टेस्ट में 5 स्टार रेटिंग हासिल की है, जो इसे सुरक्षित और भरोसेमंद कार बनाती है। काइलैक में 25 से ज्यादा सुरक्षा फीचर्स हैं, जैसे- छह एयरबैग्स, ट्रैक्शन और स्टेबिलिटी कंट्रोल, एंटी-लॉक ब्रेक्स, इलेक्ट्रॉनिक ब्रेक वितरण और आइसोफिक्स सीट्स।

एसयूवी टाटा नेक्सन की बिक्री में गिरावट दर्ज

मुंबई। चालू साल में एसयूवी टाटा नेक्सन की बिक्री में गिरावट देखी जा रही है। पहले हर महीने औसतन 15 हजार से ज्यादा यूनिट्स बिकने वाली नेक्सन की बिक्री अब घटकर 11,000 से 12,000 यूनिट्स के बीच रह गई है। इसके पीछे एक बड़ा कारण टाटा कर्व का लॉन्च माना जा रहा है, क्योंकि दोनों एसयूवी के फीचर्स और प्राइस में काफी समानता है, जिससे नेक्सन की बिक्री प्रभावित हो रही है। टाटा कर्व को चार ट्रिम्स- स्मार्ट, प्योर, क्रिएटिव, और अचीव्ड में लॉन्च किया गया है। यह एसयूवी टाटा के नए एटलस प्लेटफॉर्म पर आधारित है, और इसके डिजाइन में बेहतर एयर फ्लो के लिए फ्रंट ग्रिल और एयर डैम को अलग से डिजाइन किया गया है।

एनईए के पूर्व अध्यक्ष की मनमानी से नाराज सेक्टरवासी, सीईओ से की शिकायत

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-49 में रोड पर अतिक्रमण करने का मामला सामने आया है। नोएडा सेक्टर-49 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष ने नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम को पत्र लिखकर मामले की शिकायत की है। सेक्टर-49 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष प्रशांत त्यागी ने अपने पत्र में बताया कि सेक्टर के निवासी व नोएडा प्राधिकरण इम्पलाइज एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष कुशल पाल सिंह ने अपने घर के सामने वाली रोड पर अवैध तरीके से लोहे का गेट लगवा रहे है।

नोएडा के सेक्टर-49 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष प्रशांत त्यागी व महा सचिव विजय कुमार भाटी ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण कर्मचारी एसोसिएशन (एनईए) के पूर्व अध्यक्ष कुशल पाल सिंह ने अपने घर के सामने सार्वजनिक सड़क पर अनाधिकृत तौर से लोहे का बड़ा गेट लगवा रहे है व सरकारी रोड़ को बंद किया जा रहा है। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष ने बताया कि मामले की शिकायत कर दी गई है और नोएडा प्राधिकरण से जल्द कार्यवाही की मांग की है ।

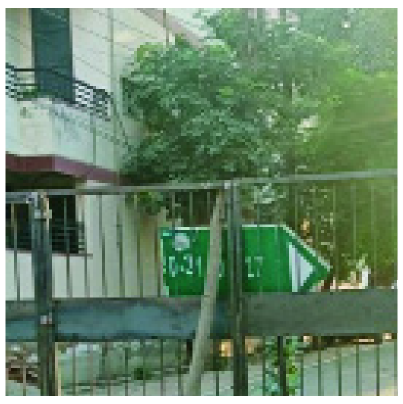

सेक्टर-49 आरडब्ल्यूए ने अवैध रूप से गेट लगाने का फोटो भी सोशल मीडिया पर डाला गया है। आरडब्ल्यूए ने नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम से इस मामले को संज्ञान में लेकर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है। सेक्टर-49 आरडब्ल्यूए अध्यक्ष ने बताया कि एक निवासी की इस हरकत से सोसाइटी के सभी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

पत्र में आरडब्ल्यूए अध्यक्ष प्रशांत त्यागी ने कई गंभीर आरोप भी प्राधिकरण के अधिकारियों पर लगाये है।

फिज़िक्स वाला पीडब्लू लांच करेगा 77 नए टेक - इनेबल्ड विद्यापीठ ऑफलाइन सेंटर्स

रांची। फिज़िक्स वाला (पीडब्लू), भारत की प्रमुख एडटेक कंपनी, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा देने के लिए शैक्षणिक वर्ष 25-26 में 77 नए ऑफलाइन टेक-इनेबल्ड लर्निंग सेंटर्स खोलने का ऐलान किया है। ये नए सेंटर्स तमिलनाडु, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और कई अन्य राज्यों में खोले जाएंगे। इस विस्तार से पीडब्लू के ऑफलाइन सेंटर्स की कुल संख्या 126 से बढ़कर 203 हो जाएगी, जो 141 शहरों में होंगे। इस कदम का मकसद खासकर टियर 2 और टियर 3 शहरों के बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाना है, ताकि देश के दूर-दराज के इलाकों तक भी इसका लाभ मिल सके। शैक्षणिक वर्ष 24-25 में पीडब्लू के विद्यापीठ और पाठशाला सेंटर्स में 2 लाख से ज्यादा छात्रों ने एडमिशन लिया, जो पीडब्लू के मिशन पर लोगों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। अगले शैक्षणिक वर्ष में पीडब्लू का लक्ष्य 2.5 लाख छात्रों को पढ़ाना है और कंपनी इस बात पर पूरी तरह से ध्यान देती है कि हर स्टूडेंट को उसकी पढ़ाई के लिए जरूरी गाइडेंस और संसाधन मिलें। आज लगभग हर IIT और हर AIIMS में पीडब्लू का कोई न कोई छात्र पढ़ रहा है।

पृष्ठ एक के शेष....

यूपी उपचुनाव : गाजियाबाद...

आंबेडकर पार्क के पास बैरियर लगाए गए हैं। इसके अलावा पूरे क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। कलक्ट्रेट में कंट्रोल रूप में भी बनाया गया है। जहां पुलिसकर्मी आने जाने वालों पर नजर बनाए रखेंगे। नामांकन के दौरान कलक्ट्रेट में तीन सीओ, 25 दरोगा समेत 200 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई है। इनके अलावा पीएसी जवान भी तैनात किए गए हैं।

उधर यूपी उपचुनाव के लिए सपा और कांग्रेस एक बार फिर साथ आए हैं। सूत्रों के मुताबिक समाजवादी पार्टी फूलपुर, करहल, कुंदरकी, सीसामऊ, मीरपुर, कटहरी और मंझवा सीट पर चुनाव लड़ेगी। जबकि कांग्रेस गाजियाबाद सदर और अलीगढ़ की खैर सीट पर चुनाव लड़ सकती है। वहीं भाजपा ने उप चुनाव के लिए अभी तक प्रत्याशी घोषित नहीं किए है।

बसपा के बड़े नेता...

रुपये कैश और ढाई लाख रुपये खाते में भेज दो। पीड़ित ने एक दिन बाद उसके परिचित को घर के मंदिर में रखे माता के गल्ले से निकालकर और अन्य माध्यम से पांच लाख रुपये दे दिए। पीड़ित ने कुछ दिन बाद जब रुपये वापस मांगे तो आरोपी ने मना कर दिया और संपर्क भी तोड़ लिया।

दिल्ली में छाई जहरीली...

सांस संबंधी बीमारी हो सकती है। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच शुक्रवार को कालिंदी कुंज इलाके में यमुना नदी में जहरीला झाग तैरता देखा गया। सुबह 8 बजे राष्ट्रीय राजधानी का कुल वायु गुणवत्ता सूचकांक 'खराब' श्रेणी में 293 पर पहुंच गया।

ग्रेनो के अस्थाई...

लेकिन आज भी अस्थाई कर्मचारी अपने अधिकारों से वंचित हैं। उन्होंने बताया कि पत्र के माध्यम से मांग की गई है कि हर 6 महीने में नियम अनुसार वेतन वृद्धि की जाए, दिवाली पर बोनस दिया जाए, सभी कर्मचारियों को आईडी कार्ड जारी किए जाएं, सभी अस्थाई कर्मचारियों एवं परिवार के लोगों के स्वास्थ्य व जीवन बीमा कराया जाने की मांग को लेकर प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि अगर हमारी मांगे जल्द नहीं मानी गई तो हम लोग अनिश्चितकालीन धरना देंगे। वही एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने कर्मचारियों की सभी मांगों को दिवाली से पहले मानने के लिए आश्वासन दिया। इस दौरान, मयंक ज्ञानेंद्र भाटी सत्येंद्र कुमार विकास भाटी नवीन मंडार श्रीपाल गौरव भाटी नागेश शर्मा बॉबी गुर्जर कैलाश शर्मा अब्दुल मगिज रोशन रजा शतवंत सिंह मोंटी पायला लियाकत अली सुशील कुमार सैकड़ो कर्मचारी मौजूद रहे।

बहराइच के गुनहगारों...

जांच में सामने आया कि हत्यारोपियों के मंसूबे खतरनाक थे। तभी तो उन्होंने हत्या में प्रयुक्त बंदूक को लोड कर छिपाया था। उसके साथ एक अन्य अवैध असलहा भी रखा था, ताकि जरूरत पड़ने पर वह फिर से दहशत फैला सकें। इसका प्रमाण भी उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दे दिया। पुलिस के अनुसार महराजगंज में रविवार को जो हुआ वह सुनियोजित था। मुख्य आरोपी अब्दुल हमीद की छत पर पत्थर व ईंटें रखी थीं। कांच की बोतल भी मिली थीं।

खास खबर

लक्की वांडर्स ने राज्य स्पर्धा में की जीत हासिल

इन्दौर । लकी वांडरर्स क्लब इन्दौर ने नगर पालिका परिषद बड़नगर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में जीत हासिल की। लकी वांडरर्स ने कश्मकश पूर्ण हुए फाइनल मैच में विक्रम स्पोर्ट्स इंदौर को पराजित करते हुए ट्राफी अपने नाम की। इसके पहले लकी वांडरर्स ने सेमीफाइनल मुकाबले में मस्ताना क्लब डकाच्या को हरा फाइनल में प्रवेश किया था। विजेता लकी वांडरर्स क्लब की ओर से वंश पचपेरे (डींचो), मिहिर गुर्जर व अभिषेक लोधी ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

मुंबई इंडियंस के कोच बने म्हाम्ब्रे

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे अब आईपीएल के अगले सत्र में मुंबई इंडियंस के कोच के तौर पर नजर आयेंगे। म्हाम्ब्रे के कोच बनने से पांच बार की विजेता मुम्बई इंडियंस की टीम को ओर बेहतर होने का भरोसा है। भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच के तौर पर म्हाम्ब्रे का कार्यकाल इस साल टी20 विश्व कप के साथ ही समाप्त हो गया था। वहीं मुंबई इंडियंस ने कहा कि म्हाम्ब्रे गेंदबाजी कोच के तौर पर लसिथ मलिंगा और मुख्य कोच महेला जयवर्धने के साथ मिलकर काम करेंगे। वहीं जयवर्धने दो साल के बाद एक बार फिर से मुंबई इंडियंस से जुड़े हैं। म्हाम्ब्रे भी इससे पहले मुंबई इंडियंस के साथ रहे हैं। उनके कोचिंग स्टाफ में रहते ही इस फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2013 में और चैम्पियंस लीग टी20 में 2011 और 2013 में खिताब जीता था। मुंबई इंडियंस ने सोमवार को जयवर्धने को मुख्य कोच के तौर पर फिर से अपनी टीम में शामिल किया था जिन्होंने 2017 से 2022 के बीच टीम को अपने मार्गदर्शन में तीन जिताये थे।

हेमंग बदानी बने दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन से पहले बड़ा बदलाव किया है। फ्रेंचाइजी ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर हेमंग बदानी को मुख्य कोच बनाया है। बदानी ने रिकी पोंटिंग की जगह ली है, जो हाल ही में टीम से अलग हो गए थे। इसी के साथ फ्रेंचाइजी ने वेणुगोपाल राव को क्रिकेट निदेशक बनाया है। फ्रेंचाइजी की ओर से गुरुवार को जारी बयान में कहा गया कि इस साल की आईपीएल मेगा नीलामी से पहले जेएसडब्ल्यू-जीएमआर के सह-स्वामित्व वाली दिल्ली कैपिटल्स ने अपने नए कोचिंग स्टाफ की नियुक्ति की घोषणा की है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हेमंग बदानी और वेणुगोपाल राव क्रमशः मुख्य कोच (आईपीएल) और क्रिकेट निदेशक (आईपीएल) के रूप में फ्रेंचाइजी में शामिल हुए हैं। दिल्ली कैपिटल्स के चेयरमैन और सह-मालिक किरण कुमार ग्रांधी ने कहा कि हमें हेमंग और वेणु का दिल्ली कैपिटल्स में स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। दोनों लंबे समय से हमारी टीम का अभिन्न अंग रहे हैं और हम उन्हें एक अलग भूमिका में पाकर उत्साहित हैं। हमें विश्वास है कि उनकी विशेषज्ञता हमारे उद्देश्यों को प्राप्त करने और दिल्ली कैपिटल्स को सफलता दिलाने में हमारी मदद करने में अमूल्य होगी।

46 रन पर सिमटी भारतीय पारी

▸ पांच भारतीय बल्लेबाजों ने खाता भी नहीं खोला

बेंगलुरु टेस्ट

एजेंसी

बेंगलुरु। न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में चल रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन भारत की पहली पारी केवल 46 रनों पर सिमट गई। भारत की तरफ से ऋषभ पंत ने सर्वाधिक 20 रन बनाए, जबकि पांच बल्लेबाजों ने खाता भी नहीं खोला और तीन बल्लेबाज तीन रनों का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। पहला दिन बारिश के कारण धुल जाने के बाद, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने गुरुवार को दूसरे दिन टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया हालांकि उनका यह फैसला गलत साबित हुआ, भारत की शुरूआत काफी खराब रही। चिन्नास्वामी की पिच पर कीवी तेज गेंदबाजों की गेंद स्विंग भी कर रही थी और उछाल भी ले रही थी, जिसके कारण भारतीय बल्लेबाजों को काफी परेशानी हो रही थी। भारत को पहला झटका टिम साउथी ने कप्तान रोहित शर्मा (02) को बोल्ड करके दिया। इसके बाद विराट कोहली (00) और सरफराज खान खाता भी नहीं खोल सके। कोहली को विलियम ओ'रूर्के और सरफराज को मैट हेनरी ने पवेलियन भेजा। इसके बाद पंत और यशस्वी जयसवाल ने 21 रन की छोटी सी साझेदारी की। 31 के कुल स्कोर पर ओ'रूर्के ने जयसवाल (13) को आउट कर भारत को तीसरा झटका दिया। जयसवाल के आउट होने के बाद केएल राहुल (00) और रवींद्र जडेजा (00) भी चलते बने। राहुल को ओ'रूर्के और जडेजा को मैट हेनरी ने अपना शिकार बनाया। भारत ने लंच तक केवल 34 रन पर 6 विकेट खो दिये।

लंच के बाद भारतीय बल्लेबाजी ज्यादा देर नहीं टिक सकी और केवल 12 रन जोड़कर बाकी 4 बल्लेबाज भी पवेलियन लौट गए। भारत की तरफ से केवल ऋषभ पंत (20) और यशस्वी जयसवाल (13) ही दहाई का आंकड़ा छू सके, जबकि विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, रवींद्र जडेजा और रविंचंद्रन अश्विन खाता भी नहीं खोल सके। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने 5 विकेट झटके, जबकि विलियम ओ'रूर्के ने 4 विकेट लिए, वहीं टिम साउथी को 1 विकेट मिला।

सनराइजर्स हैदराबाद ने क्लासेन सहित तीन खिलाड़ियों को किया रिटेन

एजेंसी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र के लिए सनराइजर्स हैदराबाद फ्रैंचाइजी ने तीन खिलाड़ियों को अपने पास (रिटेन) बरकरार रखने का फैसला किया है। इसमें दो विदेशी और एक भारतीय खिलाड़ी शामिल है। सनराइजर्स ने आईपीएल 2025 सत्र के लिए दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर हेनरिक क्लासेन को पहले बरकरार रखे गये खिलाड़ी के रुप में शामिल किया है। इस रिपोर्ट के अनुसार क्लासेन को 23 करोड़ रुपए दिये जाएंगे। वहीं फ्रैंचाइजी ने ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर पैट कमिंस को 18 करोड़ रुपए जबकि भारतीय ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा को 14 करोड़ रुपए पर अपने पास बनाये रखा है।

आईपीएल ने हाल ही में यह तय किया था कि फ्रैंचाइजी अपने 2024 दल से अधिकतम छह खिलाड़ियों को बरकरार रख सकती है। जिसमें अधिकतम पांच कैप्ड खिलाड़ी (भारतीय या विदेशी) और दो अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी शामिल रहेंगे। नीलामी के दौरान फ्रेंचाइजी अपने खिलाड़ियों को बनाए रखने के लिए रिटेंशन डील और राइट-टू-मैच (आरटीएम) कार्ड का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

साल 2025 की नीलामी के लिए 120 करोड़ रुपए तय किये गये हैं। आईपीएल ने पहले तीन कैप्ड रिटेंशन के लिए 18 करोड़ रुपए, 14 करोड़ रुपए और 11 करोड़ रुपए और अगले दो के लिए 18 करोड़ रुपए और 14 करोड़ रुपए के रिटेंशन स्लैब स्थापित किए हैं। वहीं अनकैप्ड भारतीय अधिकतम 4 करोड़ रुपए प्राप्त कर सकते हैं। फ्रेंचाइजी अपने पांच कैप्ड खिलाड़ियों के बीच 75 करोड़ रुपए के कैप्ड रिटेंशन पॉट को अपनी इच्छानुसार आवंटित कर सकती हैं।

विराट एक बार फिर चिन्नास्वामी स्टेडियम में विफल रहे

एजेंसी

बेंगलुरु । भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में विफल रहे हैं। विराट को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया। वह 8 साल और 114 पारी बाद टेस्ट में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे पर इस बार भी विफल रहे। कोहली टेस्ट क्रिकेट में 34 महीने बाद फिर खाता नहीं खोल पाये। वह अंतिम बार साल 2021 में भी तीसरे नंबर पर उतरकर शून्य पर आउट हुए थे। उस समय भी वह कीवी टीम के सामने ही असफल हुए थे। चिन्नास्वामी स्टेडियम में विराट

का रिकार्ड अब तक अच्छा नहीं रहा है। इस स्टेडियम में उनका बल्लेबाजी औसत महज 16 का रहा था। कोहली ने साल 2016 में आखिरी बार तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की थी। इसके 114 पारी बाद वह टेस्ट में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे पर नाकाम रहे। इस मैदान पर विराट ने इससे पहले खेली गई 19 इंटरनेशनल पारियों में 31.52 की औसत से 536 रन बनाए थे। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर का ये घरेलू मैदान रहा है। ऐसे में विराट का भी एक तरह से यह घरेलू मैदान रहा है पर वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इस मैदान पर एक बार फिर कोई कमाल नहीं कर पाये। बल्ला हमेशा खामोश रहता है। विराट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 38वीं बार जीरो पर आउट हुए। सक्रिय खिलाड़ियों में यह किसी भी क्रिकेटर का सर्वाधिक है। अब विराट ने टिम साउदी की बराबरी कर ली है. ये दोनों खिलाड़ी विश्व क्रिकेट में सबसे अधिक 38 बार खाता खोले बगैर पवेलियन लौटे हैं।

अक्षर बन सकते हैं दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में ऋषभ पंत शायद ही दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान रहें। एक रिपोर्ट के अनुसार फ्रैंचाईजी ऋषभ को सबसे अधिक रकम पर रिटेन तो करेगी पर कप्तानी उनसे वापस ली जा सकती है। मेगा नीलामी से पहले ही कैपिटल्स ये बदलाव कर सकती है। आईपीएल 2024 में ऋषभ टीम के कप्तान रहे थे। दिल्ली कैपिटल्स उन्हें 18 करोड़ रुपये में रिटेन कर सकती है, लेकिन कप्तानी की जिम्मेदारी अक्षर पटेल को सौंपी जा सकती है। रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली कैपिटल्स अक्षर पटेल को टीम की

कमान सौंप सकती है या फिर आईपीएल 2025 मेगा नीलामी से पहले किसी और खिलाड़ी को कप्तान के तौर पर जोड़ सकती है। ये भी कहा जा रहा है कि अक्षर नए कप्तान की जिम्मेदारी संभालते हैं तो ठीक नहीं तो फ्रेंचाइजी देख सकती है कि नीलामी में कौन खिलाड़ी कप्तानी के योग्य है और उसे खरीद लिया जाएगा। फ्रेंचाइजी का मानना है कि ऋषभ दिल्ली के लिए टॉप रिटेंशन हैं पर कप्तानी का भारत हटने पर वह और बेहतर खेल सकेंगे।

कप्तान के तौर पर ऋषभ का कार्यकाल कुछ खास नहीं रहा। दिल्ली की टीम ने एक बार ही आईपीएल फाइनल खेला है, जो साल 2021 में था। उस समय श्रेयस अय्यर कप्तान थे। इसके अगले साल अय्यर चोटिल हो गए तो फिर ऋषभ को दिल्ली की कप्तानी सौंप दी गई पर टीम को सफलता नहीं मिली।

पूर्व विश्व चैंपियन महिला मुक्केबाज क्रिस्टी पर बन रही फिल्म

एजेंसी

मुंबई । सुपर वेल्टरवेट वर्ग में विश्व चैंपियन रहीं महिला मुक्केबाज क्रिस्टी मार्टिन की जिंदगी पर एक फिल्म बन रही है। इसमें क्रिस्टी की भूमिका हॉलीवुड अभिनेत्री सिडनी स्वीनी निभाएंगी। सिडनी ने उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी दिखाया है कि वह इसके लिए कितने प्रयास कर रही हैं। इस एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी ताजा तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह मुक्केबाजी सीख रही है। इन तस्वीरों में सिडनी का हेयर स्टाइल 1990 के दशक की याद करा रहा है। स्वीनी डेविड मिचॉड द्वारा निर्देशित इस अनटाइटल्ड स्पोर्ट्स बायोपिक में मार्टिन की भूमिका निभा रही हैं, जिसका निर्माण हाल ही में शुरू हुआ है। एक पूर्व मुक्केबाज मार्टिन ने 1989-2012 तक तरीके से खेला और साल 2009 में सुपर वेल्टरवेट वर्ग में विश्व चैंपियन रहीं। स्वीनी ने बायोपिक के बारे में लिखा ह्यमैं पिछले कुछ महीनों से एक अविश्वसनीय और शानदार महिला की कहानी को जीवंत करने की ट्रेनिंग में डूबी रही हूं एक सच्ची चैंपियन जिसने रिंग के अंदर और बाहर दोनों जगह मजबूती के साथ लड़ाई लड़ी।ह्य स्वीनी ने कहा उनकी जिंदगी की यात्रा को आप सभी के साथ साझा करने के लिए उत्सुक हूं और गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। जल्द ही आपके लिए और भी बहुत कुछ आने वाला है। साल 2020 में मार्टिन को इंटरनेशनल बॉक्सिंग हॉल ऑफ फेम के लिए चुना गया था।

अंतिम टेस्ट खेलकर संन्यास ले सकते हैं शाकिब

ढाका । बांग्लादेश के स्टार आलराउंडर शाकिब अल हसन की घरेलू दर्शकों के सामने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने की इच्छा पूरी हो सकती है। चयन समिति ने उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रहे टेस्ट के लिए टीम में शामिल किया है। वहीं शाकिब का कहना है कि पूरी सुरक्षा मिलने पर ही वह ये मैच खेलेंगे। शाकिब ने इससे पहले भारत दौरे में ही घोषणा कर दी थी कि वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर अपना अंतिम टेस्ट खेलना चाहते हैं पर इसके लिए उन्हें सुरक्षा मिलनी चाहिये। । शाकिब पर छात्र आंदोलन के दौरान एक छात्र की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया गया था जिसके कारण उनपर मुकदमा दर्ज है। शाकिब अभी कनाडा में एक टी20 लीग में खेल रहे हैं।

बॉर्डर गावस्कर सीरीज में बुमराह पर अंकुश लगाना होगा : कमिंस

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि उनकी टीम को अगले माह भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर अंकुश लगाये रखना होगा। कमिंस ने कहा कि अगर उनकी टीम को इस सीरीज में जीत चाहिये तो उन्हें किसी भी हाल में बुमराह को रोकना होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के अनुसार बुमराह अभी लय में हैं और हमारी उछल भरी पिचों पर उनकी गेंदों को खेलना आसान नहीं रहेगा। भारत ने साल 2014-15 से यह ट्रॉफी लगातार जीती है। उसने दो बार ऑस्ट्रेलिया को उसी की धरती पर हराया। कमिंस ने कहा, मैं

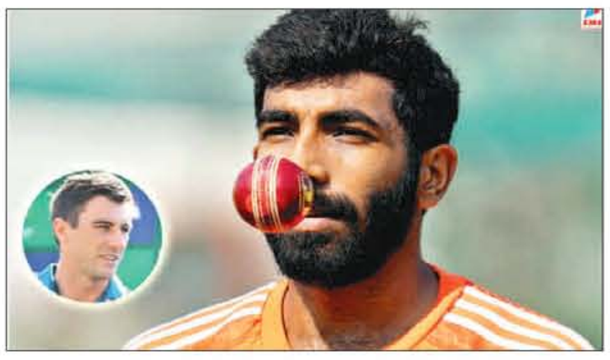

बुमराह का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे लगता है कि वह एक शानदार गेंदबाज हैं। अगर हम उस पर अंकुश कसने में सफल रहते हैं तो इससे हमें सीरीज जीतने में काफी सहायमता मिलेगी।

कमिंस ने कहा कि उनकी टीम रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और एकदिवसीय विश्व कप की जीत से प्रेरित होकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, हमने उनके खिलाफ जो पिछली दो सीरीज खेली थी उन्हें काफी समय हो गया है। हम उससे उबर चुके हैं। कमिंस ने कहा, मैं उनके रोहित शर्मा साथ एक टीम में कभी नहीं खेला इसलिए मैं उन्हें बहुत अच्छी तरह से नहीं जानता पर मुझे पता है कि भारतीय टीम काफी संगठित हैं और उनकी रणनीति सटीक है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा,ह्यह्य हम पिछले कुछ साल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल और एकदिवसीय विश्व कप में जीत हासिल करने में सफल रहे हैं। हम इनसे प्रेरणा लेने की कोशिश करेंगे जैसे कि उनकी टीम यहां अपनी पिछली कुछ सफलताओं से प्रेरणा लेने के प्रयास करेगी। कमिंस ने कहा कि भारतीय टीम में इस बार चेतेश्वर पुजारा नहीं रहेंगे जिससे भी हमें लाभ होगा। पिछल सीरीजों में भारतीय टीम की जीत में पुजारा की अहम भूमिका रही थी। वह एक छोर संभाले रखते थे और उन्हें आउट करना कठिन होता था।

एशेज सीरीज का पहला मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा

एजेंसी

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच होने वाली 2025-26 की एशेज सीरीज का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। अगले साल 21 नवंबर से शुरू होने वाली इस सीरीज का पहला मैच पर्थ में खेला जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) इस सीरीज का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसमें पर्थ 21 नवंबर को पर्थ में पहला मैच होगा। वहीं ब्रिस्बेन के गाबा में 4 दिसंबर से दिन-रात का दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। वहीं एडिलेड ओवल में तीसरा टेस्ट होगा। तीसरा टेस्ट प्री-क्रिसमस टेस्ट होगा, जो अगले दो टेस्ट,

बॉक्सिंग डे टेस्ट, 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में सीरीज का चौथा मैच और 4 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में नए साल का सीरीज का अंतिम मैच होगा। एडिलेड ऑस्ट्रेलिया में सबसे पहले दिन-रात का पहला टेस्ट पहला मैच 2015 में हुआ था। इसके अलावा इस मैदान में साल 2017-18 और 2021-22 सीरीज में दो दिन-रात के टेस्ट हुए थे। गाबा ने पहले तीन दिन-रात टेस्ट की मेजबानी की थी जिसमें इस साल की शुरूआत में जनवरी में वेस्टइंडीज की प्रसिद्ध जीत भी शामिल थी। यह पहली बार है जब ब्रिसबेन को 1982-83 के बाद से एशेज सीरीज के पहले मैच की मेजबानी नहीं मिली है। पर्थ पहला टेस्ट आयोजित करेगा और दूसरा टेस्ट ब्रिसबेन में होगा। इस बात की अच्छी संभावना है कि एशेज 2025-26 गाबा टेस्ट स्टेडियम में आखिरी टेस्ट होगा क्योंकि 2026-27 और उसके बाद वहां कोई टेस्ट निर्धारित नहीं है। स्टेडियम अपनी मौजूदा स्थिति में 2030 तक उपयोग करने योग्य नहीं होगा।

देश के सबसे धनी खिलाड़ी बन जाएंगे अजय जडेजा

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा जमनगर राजगद्दी के उत्तराधिकारी बनने के बाद अब हजारों करोड़ रुपये की संप्पति के मालिक बन गये हैं और इस मामले में सबसे आगे निकल गये हैं। जामनगर का महाराजा बनने के बाद उन्हें विरासत में 1450 करोड़ रुपये की संपत्ति मिलेगी। इसके साथ ही वह जामनगर में स्थित एक भव्य शाही महल में रहेंगे। उनका निवास आधुनिक विलासिता और पारंपरिक वास्तुकला का बेहतरीन मिश्रण है। अजय जडेजा अब देश के सबसे धनी खिलाड़ी भी बन जाएंगे। इस मामले में वह स्टार क्रिकेटर विराट कोहली को भी

पीछे छोड़ देंगे, जिनकी कुल संपत्ति लगभग 1,000 करोड़ आंकी गई

जडेजा 90 के दशक में अपने खेल के कारण छाये रहते थे। वह एक बेहतरीन बेट्समैन और जबरदस्त फील्डर और कप्तान रहे हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद जडेजा ने फिल्मों में भी आये पर उसमें सफल न होने के बाद क्रिकेट से जुड़ी भूमिकाओं में ही व्यस्त रहे। वहीं अब उन्हें रियासत को संभालने की जिम्मेदारी मिली है। दशहरा के अवसर पर महाराजा शत्रुसल्य सिंह जी दिग्विजयसिंह जी जडेजा ने अजय जडेजा को जामनगर शाही सिंहासन का उत्तराधिकारी घोषित किया था। एक रिपोर्ट के अनुसार , अजय जडेजा की कुल संपत्ति लगभग 1,40 करोड़ रुपये है पर अब वह कई गुना बड़ जाएगी। है।

नीतू आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाली दूसरी क्रिकेटर बनी

▸ पुरुष वर्ग में डिविलियर्स और कुक को मिला अवार्ड

एजेंसी

दुबई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व स्पिनर नीतू डेविड को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। नीतू यह सम्मान हासिल करने वाली दूसरी भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। नीतू के नाम टेस्ट क्रिकेट की एक पारी में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी 53 रन देकर आठ विकेट लेने का रिकार्ड है। इससे पहले पूर्व कप्तान डाइना इडुल्जी को भी आईसीसी हॉल ऑफ फेम से सम्मानित किया गया था। वहीं पुरुष वर्ग में दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स और इंग्लैंड के एलिस्टेयर कुक को भी हॉल ऑफ

फेम का अवार्ड मिला है। भारतीय महिला टीम की चयन समिति की मौजूदा अध्यक्ष नीतू को पूर्व कप्तान डाइना इडुल्जी को शामिल किए जाने के एक साल बाद आईसीसी हॉल ऑफ फेम में जगह मिली है। बाएं हाथ की स्पिनर नीतू ने भारत के लिए 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच (10 टेस्ट और 97 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय) खेले। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 47 साल की नीतू 141 विकेट के साथ भारत की दूसरी सबसे सफल गेंदबाज हैं। वह 50 ओवर के प्रारूप में 100 विकेट के आंकड़े को छूने वाली देश की पहली महिला गेंदबाज भी रहीं।

अवार्ड मिलने से उत्साहित नीतू ने कहा, ह्यआईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना बेहद सम्मान की बात है जिसे मैं राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने वाले किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ा सम्मान मानती हूं। उन्होंने कहा, ह्ययह इस महान खेल के लिए जीवन भर के समर्पण के बाद आता है और यह मेरे लिए यहां तक पहुंचने की एक बहुत ही विशेष यात्रा है। नीतू ने कहा, अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों के साथ हॉल ऑफ के विशिष्ट क्लब का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। गौरतलब है कि नीतू ने 1995 में 17 साल की उम्र में नेल्सन में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला। उन्होंने 1995 में ही जमशेदपुर में इंग्लैंड के खिलाफ आठ विकेट लिए थे जो आज भी महिला टेस्ट में एक पारी में सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत गेंदबाजी प्रदर्शन है। नीतू ने 10 टेस्ट में 41 विकेट लिए जबकि 97 एकदिवसीय मुकाबलों में 16.34 के औसत से 141 विकेट हासिल किए। नीतू ने 2006 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया लेकिन दो साल बाद अपना फैसला बदलते हुए एकदिवसीय प्रारूप में एशिया कप और भारत के इंग्लैंड दौरे पर खेलीं।

वहीं कुक ने 250 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में इंग्लैंड की ओर से खेला है। उन्होंने 2018 में इंग्लैंड की ओर से सबसे अधिक टेस्ट रन और शतक बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा। वह कप्तान के रूप में भी काफी सफल रहे जबकि डिविलियर्स ने 14 साल के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में तीनों प्रारूपों में 20 हजार से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए।

स्पेन में यूईएफए यूरोपा लीग फुटबॉल में जीत के बाद बार्सिलोना के फरमिन लोपेज अपने स्वर्ण पदक दिखाते हुए।

आजकल फिश कट ड्रेसेज का प्रचलन तेजी से बढ़ता जा रहा है। पिकनिक मनाने के लिए महिलाएं यह ड्रेस भी यूज कर रही हैं।

फिश कट ड्रेस का खुमार

'फिश कट ड्रेसेज में हर स्त्री लगती है। अब तो लड़कियां भी फिश कट ड्रेस पहनने लगी हैं। कुछ शहरों में बरसात ऑफर चल रहा है लंहगे खरीदने के लिए। आप भी इनको पसंद कर सकते है। यहां कई बैरायटी भी मिल जाएंगी।'

वैसे अब ड्रेसों को किराए पर लिए जाने का चलन भी शुरू हो चुका है। अभी मध्यम वर्ग में ही किराए पर ड्रेस लिया जा रहा है। दरअसल, पार्टी में पहनने के बाद ड्रेस को उठाकर रख दिया जाता है। उसके बाद एकाध बार ही इसे पहना जाता है। इसी कारण बहुत सी लड़कियां अब किराए का ड्रेस पहनने लगी हैं। ढाई हजार रुपए से लेकर पांच हजार रुपए के किराए में ही बहुत अच्छा ड्रेस मिल जाता है। ग्रीन के साथ महरून कलर वाले ड्रेसों की डिमांड सबसे अधिक है। कुछ अलग पहनने की चाह के चलते ही ड्रेस व साड़ी के नए-नए डिजाइन आ रहे हैं। इन दिनों जिस ड्रेसे की सबसे अधिक मांग है, वह है फिश कट ड्रेस। इस ड्रेस में कट लगा होता है, इसीलिए इसे फिश कट कहा जाता है। नेट के ड्रेस का चलन अब काफी कम हो चुका है। अब तो क्रेप व जार्जट के ड्रेसों की मांग है। यह ड्रेस ढाई हजार रुपए से लेकर दो लाख रुपए तक का है। ड्रेस-साड़ी को भी पसंद किया जा रहा है। इसमें बेल्ट लगी हुई है, जिसके कारण इसे बांधना मुश्किल भी नहीं है। दुल्हन की अच्छी ड्रेस के दाम दस हजार रुपए से लेकर एक लाख रुपए तक हैं।

ओट्स का उबटन

ब्रेड की तरह ही ओट्स का उबटन भी त्वचा को निखारता है, थोड़े से कच्चे दूध में ओट्स को घंटा भर भिगो दें, जब यह फूल जाए तो इसे चेहरे पर पेस्ट की तरह लगा लें, थोड़ा सूखने पर ठंडे पानी से धो लें, त्वचा कांतिमय हो जाएगी। चेहरे को अद्भुत चमक देने के लिए चेहरे पर ओस लगाएं, ओस एकत्र करने के लिए आप सुबह-सुबह फूल, पत्तियों से रूई में ओस इकट्ठी कर लें, इसे धीरे-धीरे चेहरे को रगड़ें व ओस से चेहरा तर कर लें। लगातार ओस लगाने से चेहरा सुंदर और मासूमियत भरा हो जाता है।

उबटन लगाएं चेहरा चमकाएं

अब आप ब्यूटी पार्लर के इंतजार और भारी-भरकम बिलों को छोड़ कर घर पर ही खुद को संवार सकती हैं। इससे न सिर्फ आप का समय और पैसा बचेगा, आप के सौंदर्य में भी निखार आएगा। तो चलिए पहले कुछ ईको फ्रेंडली उबटनों की बात की जाए, जिनकी सामग्री आप को अपनी रसोई में ही मिल जाएगी।

फूलों का उबटन

सरसों के पीले फूलों को इकट्ठा कर लें, इनमें हरे रंग की डंडियां बिलकुल न आएं, पीले फूलों को पीस कर उसमें बेसन मिला कर पेस्ट बना लें, चेहरे के निखार के लिए यह एक नायाब उबटन है।

एक बड़े चम्मच बेसन में मलाई मिलाकर इसे ठीक से फेंट लें, फिर इसमें कुछ बूंदें नींबू की निचोड़ लें, चुटकी भर हल्दी भी मिला लें। यह पेस्ट चेहरा पर लगा कर हाथ से थोड़ा रगड़ लें। इससे त्वचा साफ हो जाएगी। फिर इस पेस्ट को चेहरे पर कुछ समय के लिए लगा रहने के बाद चेहरा धो लें। कच्चे दूध में डबलरोटी भिगो दें। कुछ समय बाद ब्रेड फूल जाएगी। फिर इसे हाथ से मसल कर पेस्ट बना लें। पहले चेहरे को साफ करें, फिर इसको चेहरे पर लगा लें। आधे घंटे के बाद चेहरे को हलके कुनकुने पानी से धो लें। इससे त्वचा साफ तो होती ही है, दाग धब्बों रहित भी हो जाती है।

मसूर दाल का उबटन

मसूर की दाल को रात को पानी में भिगो दें। सुबह फूल जाने पर कच्चे दूध में पीस कर पेस्ट बना लें। अब इसे चेहरे पर लगा कर चेहरे को रगड़ें, लेकिन सावधानी से। बाद में इस को पैक की तरह लगा लें। इस के नियमित प्रयोग से अनचाहे बाल भी कम होंगे और चेहरा भी निखरेगा। केले के पत्ते भी सूखी त्वचा के लिए अच्छे होते हैं। इन्हें यों ही पीसकर चेहरे पर लगा लें। आधे घंटे बाद चेहरा धो लें।

कच्चे दूध का कमाल

कच्चा दूध भी सुबह शाम चेहरे पर लगाएं तो लाभ होगा। चंदन पाउडर से भी रंग निखरता है। इसमें थोड़ा सा गुलाब जल मिलाकर पैक की तरह चेहरे पर लगा लें, चेहरा चमक उठेगा। सर्दियों में चेहरे पर कई बार खुश्की से सफेद दाग पड़ जाते हैं। आप इसके लिए सेम की बेल से पत्तियों को लेकर उनहें पीस लें। चेहरे पर इस पेस्ट को लगाने से चेहरा सुन्दर लगेगा। रात को सोते समय चेहरे पर ग्लिसरीन में गुलाबजल व नींबू की बूंदें मिलाकर लगाएं। जाड़ों में इसे लगाने से त्वचा नहीं फटती और रंग साफ होता है।

संतरे के छिलके का उबटन

संतरे के छिलकों को छाया में सुखा लें। सूखने पर इन्हें

गृहस्थी का झंझट, नौकरी से थके-मांदे घर लौटना, अगले दिन फिर वही रूटीन शुरू हो जाता है। कुछ समय मिलता भी है, तो ब्यूटी पार्लर में अपना नंबर आने का लंबा-चौड़ा इंतजार और मोटा बिल चेहरे को क्लांत कर देता है। आप घर पर ही अपना चेहरा दमका सकती हैं।

एकदम बारीक पीस लें। इस पाउडर में कच्चा दूध मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर लगाएं व सूखने पर ठंडे पानी से चेहरा धो लें। खमीर में थोड़ा सा पानी मिलाकर फेंट लें। फेंटते-फेंटते यह सफेद होता जाएगा। फिर इसमें थोड़ा सा गरम दूध मिला लें। थोड़ी सी चीनी भी मिलाकर एक पेस्ट बना लें। इसे नीचे से ऊपर की ओर ले जाते हुए सारे चेहरे व गरदन पर लगा लें। आधे पौन घंटे बाद इसे उतारने के लिए कच्चे दूध का प्रयोग कर के धीरे-धीरे उतार लें। चेहरे पर कांति इंस्टेंट आ जाएगी। इस पैक को हफ्ते में 1 बार ही लगाएं।

साफ मिट्टी ले कर उस में कुछ बूंदें ग्लिसरीन की डाल लें और अच्छी तरह से मिलाकर पेस्ट सा बना लें। अब नीचे से ऊपर लगाते हुए पैक लगा लें। सूखने पर साफ रुई को पानी में भिगो कर चेहरा साफ कर लें। फिर बाद में ठंडे पानी से चेहरा धो डालें। इन सब से चेहरा तो चमकेगा ही साथ ही निचोड़े गए नींबू से आप अपनी कुहनियां साफ कर सकती हैं। आंखों में यदि तनाव सा हो तो इस्तेमाल की गई चाय की पत्ती की पोटली बना कर आंखों पर रख लें। आंखों को आराम मिलेगा।

अंडे का उबटन

अंडे की सफेदी में थोड़ा सा शहद व कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलाकर चेहरे पर पैक की तरह लगा कर सूखने दें। फिर आधे घंटे बाद कुनकुने पानी से धो डालें। चेहरे में कसाव भी आएगा और त्वचा भी चमक जाएगी। चेहरे के निशानों आदि को दूर करने के लिए यह बहुत कारगर है। थोड़े से कच्चे दूध में चिरौंजी को 4-5 घंटों के लिए भिगो दें। जब यह थोड़ी फूल जाए तो इसे पीस लें। इस पेस्ट को गाढ़ा-गाढ़ा ही चेहरे पर नीचे से ऊपर की ओर लगाएं, फिर थपथपा लें। इससे यह एक एकसार हो जाएगा। सूखने पर कुनकुने पानी से धो लें। थोड़े से आटे में सरसों का तेल व हल्दी मिलाकर पेस्ट बना लें, फिर इसे गाढ़े पेस्ट की लोई बना कर चेहरे पर रगड़ लें। इससे रंग तो निखरता ही है, साथ ही चेहरे के अवांछित बालों से भी मुक्ति मिल जाती है।

फैशन दो ही तरह के रिएक्शन के लिए होते हैं- अहा या वाह! हालांकि एक थर्ड रिएक्शन भी होता है, जिसमें लोग मुंह तो बनाते हैं, लेकिन दिल में यह तमन्ना भी होती है कि काश! हम भी इसे कैरी कर पाते। जानते हैं साड़ी का कुछ ऐसा ही अंदाज।

स्टाइलिश साड़ियों का जमाना

हो सकता है कि आपको इस स्टाइल में साड़ी पहने देखकर कोई नाक-भौं सिकोड़े या फिर कोई आप पर फबती कसे कि आपको साड़ी पहनना ही नहीं आती। लेकिन डिफरेंट और ग्लैमरस दिखने के लिए आप यह लुक बिंदास फॉलो कर सकती हैं। इसमें ट्रेडिशनल लुक को थोड़ा ट्विस्ट किया गया है, जो आप पर खूब फबेगा। यानी यह लुक गांव की गोरी और शहर की छोरी का कॉम्बो है।

लाइट फैब्रिक

इसके लिए आप पहले लाइट फैब्रिक की साड़ी सिलेक्ट करें। ध्यान रखें कि साड़ी हैवी नहीं होना चाहिए। सिल्क या बनारसी साड़ी इस लुक के लिए नहीं चलेगी। साड़ी को लो-वेस्ट बांधें और टखनों से इसे कुछ इंच ऊपर ही रखें। इसके साथ आप बैकलेस या डीप नेक ब्लाउज कैरी कर सकती हैं। वहीं, हेयर स्टाइल में साइड से लूज चोटी बनाएं। हेयर एसेसरीज इस लुक का ग्लैम फैक्टर बढ़ा देगी। इस लुक के साथ तिरछा मांग टीका खूब फबेगा। इसे आप साड़ी के वर्क से मैच करके पहन सकती हैं। आप साड़ी ऊंची पहन रही हैं, तो पैरों में हैवी एंकलेट्स पहनें।

थ्रीडी का फंडा

फैशन की दुनिया में जल्द ही एक बड़ा बदलाव आने वाला है, क्योंकि इंडियन डिजाइनर थ्रीडी फैशन को अपने कलेक्शन में शामिल करने वाले हैं। थ्रीडी फिल्म की तरह ही यह फैशन भी आम फैशन से अलग है, क्योंकि यह पूरी तरह से हाईटेक टेक्नोलॉजी पर आधारित है।

▸ क्या है थ्रीडी फैशन

थ्रीडी कपड़े आम कपड़ों से अलग होते हैं। इनके डिजाइन और रंग का चुनाव कंप्यूटर के माध्यम से किया जाता है। साथ ही ये लाइट के अनुसार रंग बदलते हैं। अगर रैंप पर या डांस फ्लोर पर इस कपड़े को पहना जाए तो लाइट के अनुसार कपड़े का रंग और स्टाइल बदल जाता है। अंधेरे में कपड़े का कुछ ही हिस्सा दिखाई देता है। इस टेक्नोलॉजी के अंतर्गत कपड़ों या एसेसरीज में प्लास्टिक की कोटिंग की जाती है। इससे कपड़े ज्यादा फ्लपी और इसके डिजिटल प्रिंट काफी खूबसूरत दिखते हैं। फैशन डिजाइनर हेमंत सागर जो कि अपने ड्रेस लाइन में थ्रीडी इफेक्ट को शामिल किया है, का कहना है इस टेक्नोलॉजी को जल्द ही फैशन इंडस्ट्री में इस्तेमाल किया जाएगा। यह फैशन इंडस्ट्री में क्रांति ला देगा। डिजाइनर का कहना है कि थ्रीडी इफेक्ट आमतौर पर साड़ी, ड्रेस, टाई, बेल्ट और कल्चेज में ही अच्छे लगते हैं।

फैशन की बयार

टो-रिंग

पैरों को खूबसूरत बनाने के लिए मार्केट में एक से एक एसेसरीज उपलब्ध हैं। लेकिन इस समय सबसे अधिक डिमांड टो-रिंग्स की है। पैर की अंगुलियों में पहने जाने वाले टो-रिंग को मैरिड वुमेन ही नहीं, गर्ल्स भी काफी पसंद कर रही हैं। इससे न केवल पैर सुंदर दिखते हैं, बल्कि एक ट्रेडीशन-मॉडर्न मिक्स लुक भी मिलता है।

फैशन का पर्याय

कुछ समय पहले तक शादीशुदा महिलाएं ही पहनती थीं, लेकिन अब तो लड़कियों ने भी इसे फैशन ट्रेंड बना लिया है और अपनी एसेसरीज में इसे शामिल कर लिया है। महिलाओं के लिए अब शादी के बाद पहने जाने वाला बिच्छू या बिछिया अब फैशन का पर्याय बन गई है। यदि यकीन न आए तो कॉलेज की उन छात्राओं के पांव पर जरूर नजर डालिए, जिनकी उंगुलियों में एक से बढ़कर एक डिजाइन के बिच्छू सजे होते हैं।

ना हों हैरान

स्टाइल के लिए कोई भी आभूषण पहना जा सकता है। उधर बाजारों में अब विभिन्न डिजाइन के बिछिया बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। सुहागिन के सोलह श्रृंगार में शामिल बिछिया यदि किसी कुंआरी लड़की के पैरों में दिखे तो हैरान होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि फैशन के लिए लड़कियां कुछ भी करने को तैयार हैं। जबसे लड़कियों में बिच्छू पहनने का फैशन आया है, तब से वह भी अपने एक पांव की उंगुली में इसे पहनने लगी हैं।

ये भी देखें

माता-पिता की नाराजगी भी झेलनी पड़ी है। बाजार में उपलब्ध सिल्वर, गोल्ड प्लेटिड, मैटल, मोती के बिच्छू वह समय-समय पर खरीदती हैं। इसे पहनने से पैरों की खूबसूरती में निखार आता है। लड़कियों को अब इस बात की फिक्र नहीं कि फलां चीज पहनने पर लोग क्या सोचेंगे। शान की दुकान से टो-रिंग सर्वाधिक बिकती है। पसंद के हिसाब से युवतियां टो-रिंग खरीदती हैं। रंग-बिरंगे नग वाली टो-रिंग की ज्यादा मांग है। इनकी कीमत 50 से 200 रुपए तक है।

अपनी मराठी फिल्म पाणी के प्रमोशन के लिए मुंबई लौटीं प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड से हॉलीवुड का सफर तय कर चुकीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की दीवानगी दुनियाभर में है। प्रियंका ने अपने दम पर यह पहचान बनाई है। बॉलीवुड में सिक्का जमाने वाली देसी गर्ल ने 2017 में हॉलीवुड का रुख किया। अब प्रियंका इन दिनों अपनी फिल्म पाणी को लेकर चर्चा में चल रही हैं। अभिनेत्री अपनी प्रोडक्शन फिल्म पाणी की रिलीज के लिए तैयार हैं। अब प्रियंका चोपड़ा फिल्म का प्रमोशन करने के लिए एक बार फिर मुंबई लौटी हैं और एयरपोर्ट से उनका वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है।

भारत लौटीं देसी गर्ल

प्रियंका चोपड़ा मुंबई एयरपोर्ट पर कूल लुक में नजर आईं। प्रियंका चोपड़ा के इस लुक को देखने के बाद लोग देखते रह गए। पिछले कुछ समय से अटकलें लगाई जा रही हैं कि अभिनेत्री किसी खास प्रोजेक्ट के लिए भारत आई हैं, हालांकि विवरण गुप्त रखा गया है। प्रशंसक बेसब्री से उनकी नई फिल्म का इंतजार भी कर रहे थे। हालांकि, बता दें कि प्रियंका अपनी मराठी फिल्म पाणी के प्रमोशन के लिए भारत वापस लौटी हैं। ग्लोबल आइकन प्रियंका को एयरपोर्ट पर एक ग्रे क्रॉप्ड स्वेटशर्ट में देखा गया, जिसे अभिनेत्री ने मैचिंग ट्रैक पैंट, ओवरसाइज्ड ग्लेयर्स और एक ग्रे कैप के साथ कैरी किया था। एयरपोर्ट से बाहर आते ही अभिनेत्री ने पैप्स को नमस्ते भी किया। यही नहीं, उन्होंने ढेर सारे पोज देकर अपनी तस्वीरें भी क्लिक कराई है। फैंस भी अभिनेत्री के इस लुक पर फिदा हो गए हैं।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

बात करें फिल्म पाणी की तो फिल्म का निर्देशन आदिनाथ एम कोठारे ने किया है। वह इस फिल्म में अभिनय भी कर रहे हैं, जिनके साथ रुचा वैद्य, सुबोध भावे, राजित कपूर, किशोर कदम, सचिन गोस्वामी, मोहनबाई, श्रीपद जोशी और विकास पांडुरंग पाटिल भी नजर आएंगे। फिल्म की कहानी नितिन दीक्षित ने लिखी है। यह फिल्म 18 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

किच्चा सुदीप ने 'बिग बॉस कन्नड़' को कहा अलविदा, दस वर्षों से कर रहे थे होस्ट

'बिग बॉस' देश का सबसे चर्चित टीवी शो है। यह हिंदी समेत कई भाषाओं में प्रसारित होता है। हिंदी भाषा को बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सलमान खान होस्ट करते हैं। शो को होस्ट करने का उनका अंदाजा काफी अलग और अनोखा है, जिसे दर्शक काफी पसंद करते हैं। इसी तरह कन्नड़ भाषा में कन्नड़ फिल्मों के सुपरस्टार किच्चा सुदीप भी 'बिग बॉस कन्नड़' को होस्ट करते हैं। वह पिछले दस वर्षों से इसे होस्ट करते आए हैं, लेकिन अब अभिनेता ने इस पॉपुलर शो को अलविदा कह दिया है।

दस सीजन होस्ट कर चुके हैं अभिनेता
कन्नड़ फिल्मों के अभिनेता किच्चा सुदीप 'बिग बॉस कन्नड़' को दस साल यानी इसके पहले सीजन से ही होस्ट करते आए हैं। प्रशंसक उनकी होस्टिंग के अंदाज को काफी पसंद भी करते हैं। उन्होंने हमेशा शो के प्रतिभागियों को सही रास्ता दिखाया और जरूरत पड़ने पर उन्हें डांट भी लगाई। दर्शकों को किच्चा सुदीप की होस्टिंग का अंदाज बहुत पसंद आता है। हालांकि, उनके प्रशंसकों को मायूसी का सामना करना पड़ेगा। अभिनेता ने हाल ही में अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर घोषणा की है कि वह 'बिग बॉस कन्नड़' का अगला सीजन नहीं करेंगे। किच्चा सुदीप एक्स पर लिखते हैं, बिग बॉस सीजन 11' को बेहतरीन प्रतिक्रिया देने के लिए शुक्रिया। आपने जो प्यार शो और मेरे लिए, दिखाया है, वह टीवीआर नंबर के जरिए साफ झलक रहा है। मेरे लिए 'बिग बॉस' के 11 वर्षों का सफर शानदार रहा है, लेकिन अब आगे बढ़ने का समय है। 'बिग बॉस कन्नड़' का ग्यारहवां सीजन आखिरी सीजन होगा, जिसे मैं होस्ट करूंगा। मुझे विश्वास है कि कलर्स चैनल और जो लोग 'बिग बॉस कन्नड़' देखते हैं, वह मेरे इस फैसले का सम्मान करेंगे। किच्चा सुदीप आगे कहते हैं, आइए 'बिग बॉस कन्नड़' के इस आखिरी सीजन को बेहतर बनाएं, मैं भी पूरी कोशिश करूंगा कि आपका भरपूर मनोरंजन करूं। अभिनेता किच्चा सुदीप अपनी कुछ आगामी परियोजनाओं में व्यस्त होने वाले हैं, जिसमें उनकी एक फिल्म मैक्स भी शामिल है।

आज भी अकेला रहना पसंद करती हैं मल्लिका शेरावत

बॉलीवुड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने रोमांटिक ड्रामा फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से बॉलीवुड में वापसी की है। मल्लिका का कहना है कि वह सिंगल होकर बेहद खुश हैं और वह इस समय का भरपूर आनंद ले रही हैं, वह जब चाहे अपना बैग पैक करती हैं और जहां मन चाहे घूम सकती हैं। मल्लिका शेरावत ने मर्डर, प्यार के साइड इफेक्ट्स और वेलकम जैसी कई फिल्मों में अपनी भूमिकाओं से दर्शकों को अपना दीवाना बनाया है। हालांकि, पिछले कुछ सालों से वह बड़े पर्दे से दूर रही हैं, लेकिन विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से वापसी करने के बाद मल्लिका के प्रशंसक बेहद खुश हुए। इस फिल्म में मल्लिका के अलावा राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी अहम किरदार में नजर आए।
मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान, मल्लिका ने कहा सिंगल होने पर उन्हें बहुत ज्यादा ध्यान मिलता है, जो उन्हें बहुत पसंद है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह सिंगल हैं, तो अभिनेत्री ने कहा, हां और कहा कि उन्हें यह बहुत पसंद है, जहां मन आया चल दिए। आगे मल्लिका ने कहा, मैं जहां चाहूं जा सकती हूं। यही मुझे पसंद है। आगे मल्लिका ने कहा कि अगर कोई इंसान अपना काफी वक्त और भावनाएं किसी दूसरे व्यक्ति के साथ साझा करने जा रहा है, तो उसके साथी को इसके लायक होना चाहिए। एक इंटरव्यू में मल्लिका ने कहा कि उन्होंने देश छोड़कर नकारात्मकता का सामना किया। मल्लिका ने कहा, मैंने देश छोड़ दिया। मैंने इससे इस तरह निपटाया। मुझे आलोचना का सामना करना पड़ा। आप जानते हैं कि मैं इससे निपट नहीं सकती थी। इस बात से मेरा दिल टूट गया था इसलिए उस वक्त मैंने देश छोड़ दिया। मैंने कहा कि मुझे वास्तव में समझदार महसूस करने के लिए इस देश से बाहर जाने की जरूरत है। मल्लिका ने कहा कि आज बहुत कुछ बदल गया है। आज अगर हम बहुत सारी वेब सीरीज देखें, तो बोल्ड सीन्स होना बहुत आम है। मल्लिका की वापसी फिल्म, विक्की विद्या का वो वाला वीडियो राज शांडिल्य द्वारा निर्देशित है और यह फिल्म 11 अक्तूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

सामंथा की फिल्म मक्खी ने वरुण को बना दिया उनका फैन

वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु की आगामी सीरीज सिटाडेल – हनी बन्नी का ट्रेलर आज, लॉन्च किया गया, जिसमें दोनों कलाकार काफी रोमांचक एक्शन करते नजर आए। दोनों कलाकारों की इस सीरीज को लेकर उनके फैंस के बीच काफी उत्सुकता है, क्योंकि दोनों पहली बार पर्दे पर एक साथ नजर आने वाले हैं। ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान वरुण ने जिक्र किया कि वो कैसे मक्खी फिल्म में सामंथा का शानदार अभिनय देखने के बाद वो मन ही मन उनके साथ स्क्रीन साझा करने को लेकर दुआ मांग रहे थे। रुसो ब्रदर्स की फिल्म सिटाडेल की भारतीय किस्त सिटाडेल- हनी बन्नी को लेकर वरुण ने कहा कि वह दिल से यह उम्मीद कर रहे थे कि इस सीरीज में सामंथा ही बतौर अभिनेत्री काम करें। अभिनेता ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, मैं दिल से यह उम्मीद कर रहा था कि सामंथा वह अभिनेत्री होगी, जिसे निर्माता मेरे साथ इस फिल्म में चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में फैमिली मैन 2 और मक्खी देखने के बाद वह उनके फैन बन गए थे और अब उनके साथ काम करने को लेकर उन्होंने कहा कि सब कुछ बिलकुल सही तरीके से होता चला गया। वरुण ने कहा कि सामंथा के साथ काम करने का विचार उन्हें काफी उत्साहित करता है। बताते चलें कि सिटाडेल- हनी बन्नी का प्रीमियर 7 नवंबर को प्राइम वीडियो पर होने वाला है।

किंग के लिए कड़ी मेहनत कर रहीं सुहाना

शाहरुख खान की लाडली सुहाना खान की सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। सुहाना खान ने फिल्म द आर्चीज के साथ अपने अभिनय करियर की शुरुआत की वहीं, अब सुहाना जल्द ही बिग बजट फिल्म का हिस्सा बनने वाली हैं। रिपोर्ट की मानें तो सुहाना खान जल्द ही पिता शाहरुख खान के साथ फिल्म किंग में नजर आएंगी। इसी कड़ी में अभिनेत्री की लेटेस्ट पोस्ट प्रशंसकों का खासा ध्यान आकर्षित कर रही है।

गजनी 2 का एलान करेंगे आमिर! लोकेश कनगराज के साथ सुपरहीरो फिल्म में भी कर रहे हैं काम?

भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित अभिनेताओं में से एक आमिर खान बॉक्स ऑफिस पर लगातार हिट फिल्में देने के लिए जाने जाते हैं। फिलहाल अभिनेता 2025 में रिलीज होने वाली अपनी आगामी फिल्म सितारे जमीन पर की तैयारी कर रहे हैं। इसके अलावा वह अपनी भविष्य की परियोजनाओं को मजबूत करने के लिए कई फिल्म निर्माताओं के साथ भी बातचीत कर रहे हैं। इन चर्चाओं के बीच उनकी सबसे सफल फिल्मों में से एक गजनी की सीक्वल गजनी 2 को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट जानकर मिस्टर परफेक्शनिस्ट के प्रशंसकों का खुश होना लाजमी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आमिर खान फिलहाल निर्माता अल्लू अरविंद के साथ गजनी को फ्रेंचाइजी में बदलने के बारे में चर्चा कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, उन्होंने अल्लू अरविंद, मधु मंटेना और पूरी टीम को गजनी 2 के लिए एक योग्य विषय के साथ आने के लिए कहा है। अगर यह तय हो जाता है तो वह भारतीय सिनेमा की पहली 100 करोड़ रुपये की फिल्म की सीक्वल बनाकर इतिहास रच सकते हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है, टीम सक्रिय रूप से विचारों पर मंथन कर रही है और आमिर पहले ड्राफ्ट का इंतजार कर रहे हैं। आमिर खान वर्तमान में अपनी अगली फिल्म सितारे जमीन पर में व्यस्त हैं और 2025 में अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर सकते हैं। कथित तौर पर सुपरस्टार एक सुपरहीरो फिल्म के लिए निर्देशक लोकेश कनगराज के साथ बातचीत कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जिस विचार ने उन दोनों को उत्साहित किया है वह एक सुपरहीरो फिल्म है और लोकेश अब अपने लेखकों की टीम के साथ इसे विकसित करना चाह रहे हैं। खबरें हैं कि अगर आमिर खान स्क्रिप्ट को मंजूरी दे देते हैं, तो सुपरहीरो फिल्म का निर्माण 2026 में शुरू हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है, यह विचार फिलहाल विकास के चरण में है और लोकेश को भी आमिर के साथ चीजों को अगले स्तर पर ले जाने का दायित्व सौंपा गया है। फिलहाल रजनीकांत कैथी 2 से पहले रजनीकांत अभिनीत कुली की शूटिंग कर रहे हैं। अपने संभावित सहयोग के अलावा, आमिर खान कनगराज की फिल्म कुली में एक कैमियो में भी दिखाई देंगे।

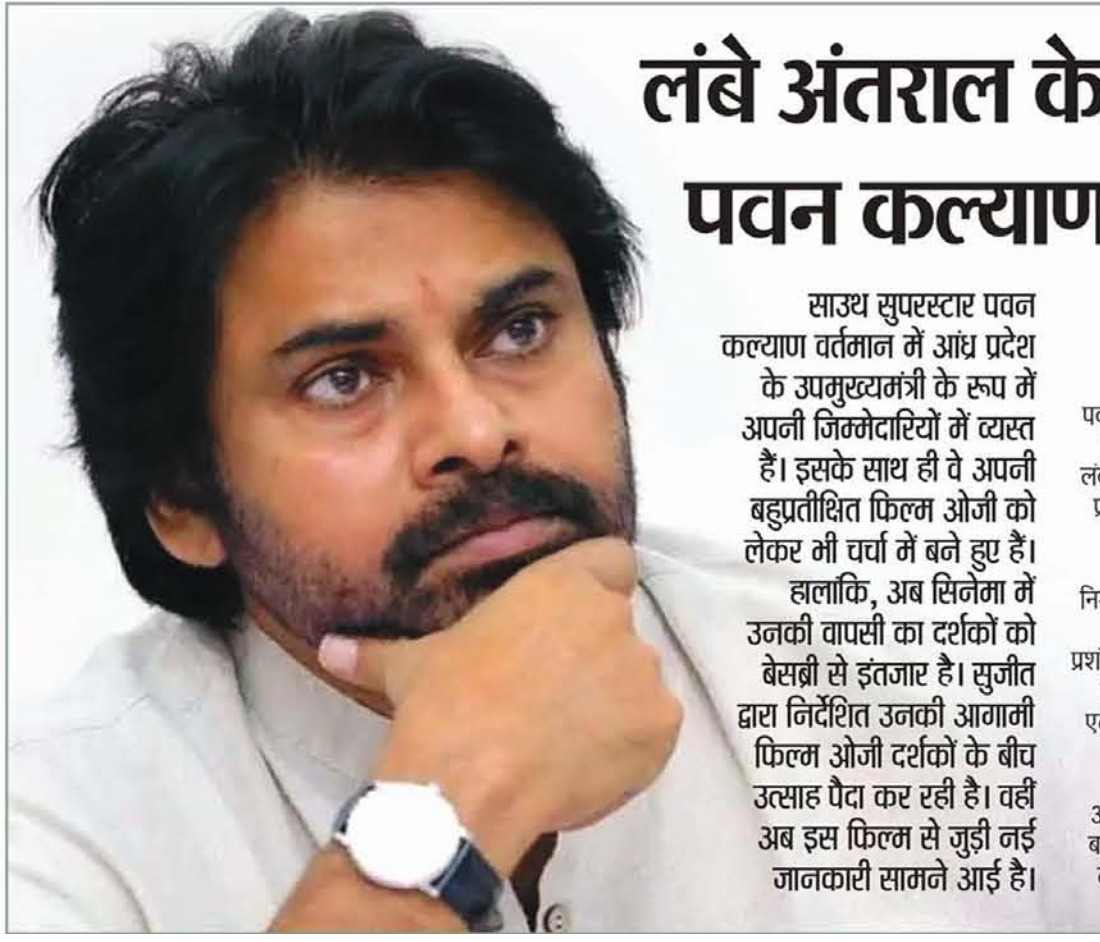

लंबे अंतराल के बाद दोबारा शुरू हुई पवन कल्याण की ओजी की शूटिंग

साउथ सुपरस्टार पवन कल्याण वर्तमान में आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारियों में व्यस्त हैं। इसके साथ ही वे अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म ओजी को लेकर भी चर्चा में बने हुए हैं। हालांकि, अब सिनेमा में उनकी वापसी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। सुजीत द्वारा निर्देशित उनकी आगामी फिल्म ओजी दर्शकों के बीच उत्साह पैदा कर रही है। वहीं अब इस फिल्म से जुड़ी नई जानकारी सामने आई है।

फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू

पवन कल्याण की बहुप्रतीक्षित फिल्म वे कॉल हिम ओजी उर्फ ओजी पर लंबे समय से काम चल रहा है। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बनने के बाद पवन कल्याण की राजनीतिक प्रतिबद्धताओं के कारण फिल्म के निर्माण में कुछ देरी हुई। सुजीत द्वारा निर्देशित इस एक्शन थ्रिलर का प्रशंसकों द्वारा बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। वहीं, अब निर्माताओं ने एलान किया है कि फिल्म की शूटिंग फिर से शुरू कर दी गई है।
निर्माताओं ने साझा किया पोस्ट
ओजी निर्माताओं ने लंबे अंतराल के बाद शूटिंग फिर से शुरू कर दी है। टीम ने सेट से निर्देशक सुजीत की एक तस्वीर जारी की है और यह अपडेट इंटरनेट पर धूम मचा रहा है। पवन कल्याण बाद में शूटिंग में शामिल होंगे। वर्तमान में, टीम उन दृश्यों को फिल्मा रही है, जिनमें पवन कल्याण की उपस्थिति की आवश्यकता नहीं है।

फिल्म के कलाकार

फिल्म में प्रियंका मोहन भी मुख्य भूमिका में हैं। बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी पावरस्टार पवन कल्याण के दुश्मन की भूमिका निभा रहे हैं। श्रीया रेड्डी, अर्जुन दास, हरीश उथमन, अभिमन्यु सिंह और अन्य इस गैंगस्टर एक्शन ड्रामा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। थमन ने धुनों की रचना की है। डीवीवी दानय्या इस बड़ी फिल्म का निर्माण कर रहे हैं।

भूल भुलैया 3 के बाद अनुराग बसु की फिल्म में नजर आएंगे कार्तिक आर्यन

भूल भुलैया 3 फेम स्टार कार्तिक आर्यन इंडस्ट्री के सबसे बहुमुखी अभिनेताओं में से एक हैं। अभिनेता ने रोम-कॉम से लेकर थ्रिलर, हॉरर-कॉमेडी और बायोपिक्स तक में अपना हाथ आजमाया है। अभिनेता फिलहाल भूल भुलैया 3 की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। इसी बीच कार्तिक ने अपनी अगली फिल्म पर बड़ा अपडेट साझा किया है। कार्तिक आर्यन ने कहा, अभी मैं अनुराग बसु सर की अगली फिल्म पर काम कर रहा हूं। फिल्म निर्माता की तारीफ करते हुए कार्तिक ने कहा, वो मुझे बहुत रोमांचक जादूगर निर्माता लगते हैं।

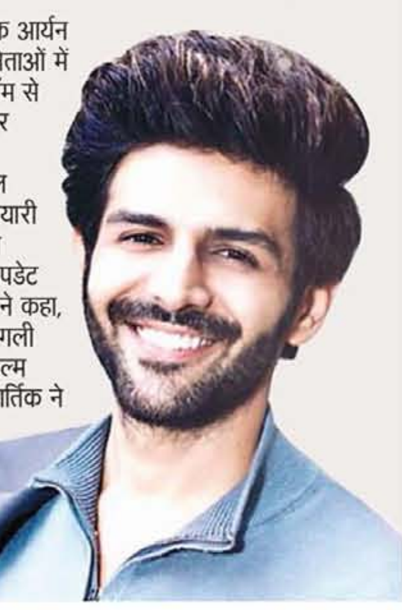

कैंब्रिज स्कूल में शिक्षिका समेत दो गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-27 में स्थित कैंब्रिज स्कूल में एक साढ़े 3 साल की बच्ची के साथ डिजिटल रेप हुआ है। जिसमें पुलिस ने आरोपी को दबोच कर जेल तो भेज दिया, लेकिन इस मामले के बाद सैकड़ों अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। इस मामले में नया मोड सामने आया है। पुलिस ने गुरुवार स्कूल के प्रशासक और बच्ची की टीचर को गिरफ्तार किया है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने इस घटना को छिपाने और सबूत मिटाने की कोशिश की।

स्कूल में काम करने वाले एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने बच्ची के साथ यह घिनौना काम किया। इसके बाद, बच्ची की कक्षा अध्यापिका ने उसे डराकर घर पर इस बारे में कुछ न बताने को कहा। मामला तब सामने आया जब 8 अक्टूबर को बच्ची ने पेट दर्द की शिकायत की। जब उसके माता-पिता उसे डॉक्टर के पास ले गए, तब उन्हें पता चला कि बच्ची के साथ कुछ गलत हुआ है। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 10 अक्टूबर को मुख्य आरोपी नित्यानंद को गिरफ्तार कर लिया। वह स्कूल में हाउसकीपिंग स्टाफ के रूप में काम करता था। यह पूरा मामला कोतवाली सेक्टर 20 का है।

नोएडा एडीसीपी मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि जांच के दौरान यह पता चला कि स्कूल प्रशासन ने भी इस मामले में गलती की है। इसलिए कक्षा अध्यापिका मधु मेनघानी और स्कूल के कार्यालय प्रशासक दयामय महतो को भी गिरफ्तार किया गया है। इस मामले की गहराई से जांच कर रहे हैं और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

ब्राह्मण समाज महासंघ ने बहराइच हिन्दू हत्या पर जताया आक्रोश

नोएडा (चेतना मंच)। 13 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में दुर्गा मूर्ति विसर्जन के आयोजन में विशेष समुदाय द्वारा हमला कर एक 26 वर्षीय हिन्दू ब्राह्मण को घर के अन्दर वीभत्स तरीके से हत्या कर दी गई।

ब्राह्मण समाज महासंघ ने सामाजिक आक्रोश से अवगत कराते हुए सिटी मजिस्ट्रेट नोएडा के द्वारा ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ से पीड़ित को आर्थिक सहायता के साथ न्याय दिलाने की अपील की एवं इस प्रकार की सुनियोजित हमलों की गहराई से जाँच कराकर स्थाई समाधान सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन दिया कि देश में बेतहाशा बढ़ती आबादी, अनियंत्रित जनसंख्या, संसाधनो का दोहन, देश के विकास में बहुत बड़ी बाधा है, यदि समय रहते इस पर रोक न लगाई गई तो परिणाम अच्छा नहीं होगा। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण पर केंदीय कानून बनाने की अति आवश्यकता है।

इस मौके पर ब्राह्मण समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश मिश्रा के साथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के. के. मिश्रा,राष्ट्रीय महासचिव लोकेश त्रिपाठी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अरुण मिश्रा,सचिव राजेश शुक्ला,सचिव प्रभाकर छुद्धड्डु,रामनारायण पाण्डेय, विशिष्ट पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

डीएम ने किया हवालिया नालों का निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में सिचांई विभाग खण्ड गाजियाबाद द्वारा औद्योगिक क्षेत्र सूरजपुर साईट बी में स्थित बी एवं सी के पास निकलने वाले हवालिया नाले में साफ-सफाई का कार्य कराया जा रहा है, जिसका जिलाधिकारी द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया।

जिलाधिकारी द्वारा पुलों के अपस्ट्रीम व डाउन स्ट्रीम में सिल्ट/फ्लश सफाई तथा जंगल टेक आदि हटाने के कार्य निरीक्षण करते हुये सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान करते हुये कहा कि ग्रेटर नोएडा क्षेत्र उत्तर प्रदेश के नवविकसित औद्योगिक जनपदों में महत्वपूर्ण एवं अग्रणी है। इस क्षेत्र के जलप्लावन से होने वाली आर्थिक एवं औद्योगिक क्षति की परिकल्पना करना संभव नहीं है। इसलिए हवालिया नाले में सिल्ट सफाई एवं पुर्नस्थापना का कार्य मानकों के अनुरूप निर्धारित अवधि में पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाए ताकि जनपद के कृषकों, उद्योग बन्धुओं एवं जनसामान्य को हवालिया नाले के कारण जल भराव की स्थिति का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर जिला प्रशासन एवं सिचांई विभाग के सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा में होगा भारत शिक्षा एक्सपो

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारत शिक्षा एक्सपो का आयोजन आगामी 11 से 13 नवंबर तक ग्रेटर नोएडा के

आयोजन की तैयारी के लिए एसीईओ ने की बैठक

एक्सपो मार्ट में होगा। इसकी तैयारी के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने इंडिया एक्सपो मार्ट और ग्रेटर नोएडा स्थित शिक्षण संस्थानों व शिक्षा जगत की प्रमुख हस्तियों के साथ बैठक की, जिसमें इस आयोजन की तैयारी से जुड़े तमाम पहलुओं पर चर्चा की गई।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता करते हुए एसीईओ प्रेरणा सिंह ने कहा कि शिक्षा के विश्व गुरू के रूप में भारत की भूमिका को रेखांकित करने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और एक्सपो मार्ट की तरफ से यह आयोजन किया जा रहा है, जिसमें देश-विदेश के प्रतिभा की हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि यह एक्सपो असीमित शैक्षिक अवसरों का पता लगाने और छात्रों की भविष्य को नया आकार देने में अहम भूमिका निभाएगा। यह आयोजन छात्रों की भविष्य के लिहाज से शिक्षा का प्रारूप तय करने के लिए एक

साझा मंच तैयार करेगा। भारत शिक्षा एक्सपो में कार्यशालाओं और इंटरैक्टिव प्रयोगशालाओं के जरिए प्रतिभागियों की सफलता के लिए मजबूत आधार तलाशने का प्रयास किया जाएगा। इस आयोजन के जरिए वैश्विक बाजार में उभरती मांगों को देखते हुए शैक्षिक ढांचा तैयार करने में भी मदद मिलेगी।

एक्सपो मार्ट की तरफ से जानकारी दी गई कि भारत शिक्षा एक्सपो में अलग-अलग जोन बनाए जाएंगे। स्कूल जोन में प्राइमरी से सेकेंडरी एजुकेशन पर फोकस किया जाएगा। कॉलेज और विश्वविद्यालय जून में उच्च शिक्षण संस्थाओं, वोकेशनल ट्रेंनिंग सेंटर्स, रिसर्च के अवसरों आदि पर फोकस होगा। इसके अलावा स्किल डेवलपमेंट, फिजिकल एजुकेशन और स्पोर्ट्स जोन भी होंगे जिससे तमाम आधुनिक एवं तकनीक युक्त जानकारी प्राप्त हो सकेगी। एसीईओ प्रेरणा सिंह ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए स्कूलों, कॉलेजों , विश्वविद्यालयों व अन्य शिक्षण संस्थानों से बढ़-चढ़कर भागीदारी करने के लिए आह्वान किया है। भारत शिक्षा एक्सपो के आयोजन के लिए एक कोर्स समिति बनाई गई है, जिसमें प्राधिकरण की एसीईओ, इंडिया एक्सपोर्ट मार्ट के चेयरमैन और सीईओ, भारत शिक्षा एक्सपो 2024 के चेयरपर्सन डॉ हरिवंश चतुर्वेदी सहित 10 प्रतिनिधि शामिल किए गए हैं। बैठक में डॉ हरिवंश चतुर्वेदी, आईआईएलएम युनिवर्सिटी से मेजर जनरल बीडी वाधवा, ग्रेड्स इंटरनेशनल स्कूल की प्रधानाचार्या अदिति बसु राय सहित शिक्षा जगत की कई हस्तियां शामिल हुईं।

सेक्टर 21 और 25 में आवंटियों ने कॉमन एरिया में किया अतिक्रमण

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण द्वारा चलाए जा रहे 'नोएडा आपके द्वार' कार्यक्रम के अंतर्गत नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने सेक्टर-21 ए और सेक्टर-25 आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में दोनों सेक्टरों की आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी ने अपने-अपने सेक्टरों की समस्याओं को प्राधिकरण के अधिकारियों के सामने रखा। दोनों सेक्टर की आरडब्ल्यूए ने इस बात की शिकायत की कि सेक्टर-21 और 25 में अधिकांश भवन के आवंटियों द्वारा कॉमन एरिया में अतिक्रमण किया गया है। इस अतिक्रमण को प्राधिकरण द्वारा हटाया जाना चाहिए।

नोएडा प्राधिकरण के कार्यक्रम 'नोएडा आपके द्वार' के तहत हुई बैठक में सेक्टर-21 में बरसात के समय वॉटर लॉगिंग, सेक्टर-21 में बाल भारती स्कूल के पीछे सी ब्लॉक की सड़क की रिसरफेसिंग, सेक्टर-25 में मुख्य सड़क पर हुए गड्ढों की मरम्मत, सेक्टर-21 एवं 25 में मुख्य नाले की तरफ बनी दीवार नाले के निर्माण के कारण नीचे हो गई है जिस वजह से असामाजिक तत्व सेक्टर में आ सकते हैं। इसको देखते हुए मुख्य नाले की तरफ बनी दीवारों पर फेंसिंग लगाने, सेक्टर-25 के गेट नंबर-2 के सामने सेंट्रल वर्ज में यातायात आगमन सुगम बनाने के लिए कट बनाने तथा इन दोनों सेक्टर में जिन स्थानों पर वाटर हार्वेस्टिंग की आवश्यकता है वहां पर सर्वे करने की मांग आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी ने नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के सामने रखी। इसके साथ ही आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने बताया कि दोनों ही सेक्टर में अधिकतर आवंटियों द्वारा भवन के सामने कॉमन एरिया में अतिक्रमण किया हुआ है जिस कारण सेक्टर वासियों को काफी परेशानी होती है। इसलिए प्राधिकरण को कॉमन एरिया में किए गए अतिक्रमण को हटाना चाहिए। 'नोएडा आपके द्वार' कार्यक्रम के दौरान हुई बैठक में उद्यान, जल, सीवर, सफाई, विद्युत तथा नोएडा ट्रैफिक सेल संबंधी शिकायतें भी दर्ज की गई। आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी ने मांग की कि सेक्टर-21 एवं 25 में इलेक्ट्रॉनिक वाहनों के चार्जिंग के लिए स्टेशन बनाया जाना चाहिए।

बैठक में नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक (जल) वरिष्ठ प्रबंधक, उपनिदेशक उद्यान, प्रबंधन व अन्य स्टाफ तथा सेक्टर-121 और 25 आरडब्लूय के अध्यक्ष एवं महासचिव व अन्य सेक्टर वासी मौजूद रहे।

डीएवी नोएडा में राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता आयोजित

नोएडा (चेतना मंच)। डीएवी नोएडा में डीएवी राष्ट्रीय खेल आयोजित किया गया। यह तीन दिवसीय

राष्ट्रीय खेल 17 अक्टूबर से शुरू होकर 19 अक्टूबर तक चलेंगे। डीएवी राष्ट्रीय खेलों के भव्य उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि उप्र सरकार में राज्यमंत्री जसवंत सिंह सैनी रहे। अतिथि के साथ में स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती चित्रकांत और स्कूल के चेयरमैन एन के ओबेरॉय और डीएवी यूपी उत्तराखंड जोन की क्षेत्रीय अधिकारी डॉ अल्पना शर्मा भी मौजूद थीं।

मुख्य अतिथि जसवंत सिंह सैनी ने सभी को बधाई दी और मशाल प्रज्वलित कर इस समारोह का उद्घाटन किया।

समारोह में उत्तर प्रदेश के पांच क्लस्टरों के 48 स्कूलों ने भाग लिया जिसमे करीबन 1400 खिलाडी छात्रों ने शपथ ग्रहण की कि वे सभी पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने खेल पूरे जोश व उत्साह के साथ खेलेंगे। विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती चित्रकांत ने भी खिलाडी छात्रों को प्रोत्साहन दिया व अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनायें दी।

इन प्रतियोगिताओं में आर्चरी, फुटबॉल स्विमिंग, स्कैटिंग, बैडमिंटन, कर्राटे, बास्केट बॉल, शूटिंग, टेबल टेनिस, क्रिकेट ,बॉक्सिंग, हैंड बॉल, अथलेटिक्स आदि होंगी।

ग्रेप का उल्लंघन करने पर 21 लाख का जुर्माना

नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेप के नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नोएडा प्राधिकरण पर 21 लाख रूपये का जुर्माना लगाया। सेक्टर-153 में भूखंड-3, सेक्टर-151 में भूखंड-9, प्लॉट.10, 12 तथा 3 में चल रहे निर्माण कार्य पर 50-50 हजार रूपये का जुर्माना लगाया गया। सेक्टर-153 के प्लांट सी-55, सेक्टर-155 के प्लांट 85, 99 तथा 70 पर 50-50 हजार रूपये का जुर्माना लगाया गया। सेक्टर-50 के पास मेट्रो स्टेशन गेट नं0 01 में नाले का निर्माण कार्य पर 50 हजार रूपये का जुर्माना लगाया गया। सेक्टर-78 महागुन सोसायटी के सामने तथा सेक्टर-76 में भूमिगत पाइप लाइन कार्य होने पर 50 हजार, सेक्टर-75 में निर्माण कार्य पर 5 हजार, सेक्टर-72 में प्लांट नं0-1, सेक्टर-140 में प्लॉट-2 तथा प्लाट 01 पर निर्माण कार्य होने पर 5-5 लाख का जुर्माना लगाया गया।

उत्तराखंड पब्लिक स्कूल में हंगामा

शिक्षिकों ने लगाया उत्पीड़न का आरोप, एसीपी से शिकायत

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के उत्तराखंड पब्लिक स्कूल में उस वक्त अफरा तफरी मच गई जब स्कूल के 45 टीचर व स्टॉफ ने स्कूल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए हंगामा किया ।शिक्षकों की शिकायत पर पुलिस ने स्कूल के मालिक हरीश को मौके से गिरफ्तार किया ।आरोप है कि शिक्षकों को वेतन देने के बाद उनसे 20 प्रतिशत पैसे वापस लिए जाते है ।नहीं देने पर शिक्षकों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है ।आपको बता दे कि आज सुबह नोएडा के सेक्टर-56 के उत्तराखंड पब्लिक स्कूल में शिक्षकों ने स्कूल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए हंगामा किया। स्कूल के 45 टीचर व स्टॉफ ने स्कूल प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत कि स्कूल प्रबंधन

शिक्षकों को वेतन देने के बाद उनसे 20 प्रतिशत पैसे वापस लेता है। ना देने पर महिला शिक्षकों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है और उनसे कबाड़ी वाले कार्य करवाये जाता है ।और तो और छुट्टी वाले दिन भी शिक्षकों को बुलाया जाता है व उनकी लाइव लोकेशन मांगी जाती है। आरोप है कि ये सब स्कूल प्रबंधन और प्रिंसिपल की मिलीभगत से हो रहा है ।वही

सूचना मिलने पर मौके पर पहुँचे अभिभावक संघ ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री,शिक्षा मंत्री, पुलिस कमिश्नर, जिलाधिकारी, डीआईओएस आदि को दी है। अपनी शिकायत में उन्होंने बताया कि नोएडा के उत्तराखंड पब्लिक स्कूल में शिक्षकों को निरंतर प्रताड़ित किया जा रहा है ।उन्हें वेतन देने के बाद उनसे आधे वेतन को कैश में वापस देने के लिए कहा जा रहा है ना देने पर नौकरी से निकलने की धमकी दी जा रही है।